TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

आगरा में 102 किलो गांजा बरामद (पेज-3)

पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-50 | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 22.08.2026

कम नंबर आने पर छात्रा ने की जान देने की कोशिश

- दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीईआई) के हॉस्टल की घटना
- बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा को अस्पताल में कराया गया भर्ती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना न्यू आगरा क्षेत्र में स्थित दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीईआई) के हॉस्टल में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने गुरुवार रात आत्महत्या का प्रयास किया। छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने पर हॉस्टल में मौजूद अन्य छात्राओं ने तत्काल वार्डन को सूचना दी। इसके बाद छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। फिलहाल उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार छात्रा डीईआई में बीएससी सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही है और कॉलेज के हॉस्टल में रह रही थी। गुरुवार रात उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जानकारी होने पर हॉस्टल की अन्य छात्राओं और वार्डन ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। समय रहते उपचार मिलने से डॉक्टरों ने उसकी हालत को नियंत्रण में बताया है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक छात्रा हाल ही में परीक्षा में कम अंक आने के कारण तनाव में थी। इसी वजह से उसके द्वारा यह कदम उठाए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के प्रयास के वास्तविक कारणों की अभी जांच की जा रही है और छात्रा के बयान के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। छात्रा के परिजनों को घटना की सूचना दिए जाने की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस के अनुसार उसे घटना के संबंध में फिलहाल कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। छात्रा के परिजनों के पहुंचने तक कॉलेज प्रबंधन की ओर से उसकी देखरेख की जा रही है। छात्रा की हालत बिगड़ने के तुरंत बाद हॉस्टल प्रबंधन को जानकारी मिल गई और उसे बिना देरी किए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के मुताबिक समय रहते उपचार शुरू होने के कारण उसकी स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। छात्रा की हालत में लगातार सुधार बताया जा रहा है और स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। घटना के बाद हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन में चिंता का माहौल है। पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है।

किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी साझा न करें

- आरबीआई ओम्बड्समैन कार्यालय, कानपुर की गोष्ठी
- कमिश्नरेट आगरा पुलिस के साइबर सेल प्रभारी ने किया जागरूक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कमिश्नरेट आगरा पुलिस के साइबर सेल प्रभारी विमल कुमार ने शुक्रवार को एक बैंकिंग गोष्ठी में साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक किया। सावधान किया कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, बैंक विवरण या ओटीपी साझा न करें। ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

आरबीआई ओम्बड्समैन कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक, कानपुर के तत्वावधान में 21 अगस्त को आरबी-आईओएस 2026 की जागरूकता हेतु एक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एवं आरबीआई ओम्बड्समैन, भारतीय रिजर्व बैंक, कानपुर द्वारा की गई। इस मौके पर बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, साइबर पुलिस आगरा के अधिकारी, आगरा के अग्रणी जिला प्रबंधक एवं आरबीआई ओम्बड्समैन कार्यालय, कानपुर के अन्य अधिकारीगण उपस्थित हुए।

गोष्ठी में साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक करते आगरा पुलिस के साइबर सेल प्रभारी विमल कुमार।

कार्यक्रम के दौरान, आरबीआई ओम्बड्समैन कार्यालय, कानपुर के अधिकारियों ने रिजर्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2026 की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला। प्रस्तुतीकरण के दौरान विभिन्न विनियमित संस्थाओं में कवरेज का दायरा, सेवा में उन कमियों के प्रकार जिनका इस योजना के तहत निवारण किया जा सकता है, सीएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया इत्यादि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग तीन सौ प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिनमें वरिष्ठ नागरिक, आरएसईटीआइ प्रशिक्षु, ग्रामीण युवा और आम नागरिक शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल, आगरा के प्रभारी विमल कुमार द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साइबर फ्रॉड एवं अन्य साइबर अपराधों से संबंधित मामलों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान साइबर अपराधों से बचाव के उपायों तथा ऑनलाइन लेन-देन में बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

आरबी-आईओएस 2026 से संबंधित पैम्फलेट और उपभोक्ता जागरूकता सामग्री भी प्रतिभागियों को वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान एक जागरूकता प्रश्नोतरी का भी आयोजन किया गया जिसमें विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया।

पति से नाराज यमुना में आत्महत्या करने पहुंची सात माह की गर्भवती

टीएनएफ टुडे, बाह।

शुक्रवार दोपहर बटेश्वर स्थित महादेव घाट पर पति से नाराज होकर एक 19 वर्षीय सात माह की गर्भवती युवती यमुना में छलांग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास करने लगी। घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने युवती को देखकर तत्काल मंदिर प्रबंधक अजय भदौरिया को सूचना दी।

फिरोजाबाद जिले के बहोरी डांडा गांव निवासी बंदना देवी पत्नी शिव कुमार की करीब 11 माह पहले शादी हुई थी। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे वह अपने पति से नाराज होकर बटेश्वर पहुंची और महादेव घाट पर यमुना किनारे बैठकर रोने लगी। कुछ देर बाद वह आत्महत्या करने के इरादे से सीढ़ियों से यमुना में छलांग लगाने का प्रयास करने लगी।

युवती को छलांग लगाते देख वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने तत्काल मंदिर प्रबंधक अजय भदौरिया को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मंदिर प्रबंधक ने यमुना में कूदकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने युवती के पति शिव कुमार, ससुर विद्याराम यादव सहित परिजनों को मौके पर बुलाया। पुलिस ने सभी को कड़ी हिदायत देते हुए लिखित में लिया। इसके बाद युवती के भाई उमेश चंद निवासी नवादा, फिरोजाबाद को बुलाकर बंदना को उनके सुपुर्द कर दिया गया। समय रहते मंदिर प्रबंधक और श्रद्धालुओं की तत्परता से युवती की जान बच गई।

'40 हजार नियम हटे, 1500 कानून खत्म'

परमिशन राज से बाहर निकल रहा भारत, दुनिया को उम्मीद: पीएम

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत में नीति और शासन के स्तर पर अगली पीढ़ी के सुधार लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले व्यवस्था का नजरिया 'प्रोहिबिटेड अनलेस परमिट' यानी अनुमति मिलने तक प्रतिबंधित रहने का था, जबकि अब 'परमिटेड अनलेस प्रोहिबिटेड' यानी कानून में रोक न होने तक अनुमति की सोच की ओर बदलाव हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का जोर सुधारों के साथ लोगों के लिए जीवन आसान बनाने पर भी है।

दुनिया की चिंताओं के बीच भारत को क्यों माना जा रहा 'ब्राइट स्पॉट'?

प्रधानमंत्री ने एक मीडिया संस्थान के निजी कार्यक्रम में कहा कि इस समय दुनिया में विकास को लेकर कई तरह की चिंताएं हैं। संसाधनों का इस्तेमाल भी कई जगह हथियार की तरह किया जा रहा है। ऐसे वैश्विक माहौल के बीच भारत को विकास के लिहाज से एक 'ब्राइट स्पॉट' के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए लगातार कई कदम उठा रहा है और सुधार सरकार की प्रतिबद्धता हैं। प्रधानमंत्री के मुताबिक, भारत के नीति सुधारों से जियोस्पेशियल तकनीक, ड्रोन और सीमा क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे में तेजी आई है। डीरेगुलेशन से स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिला और ड्रोन के इस्तेमाल का दायरा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में सड़क, पुल और सुरंगों के निर्माण की गति भी तेज हुई है। पीएम मोदी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में सीमा सड़क संगठन ने 250 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं।

पुराने ब्रिटिश कानून की जगह कौन सा नया कानून आया?

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार लगातार शासन सुधारों पर काम कर रही है। उन्होंने संसद के मानसून सत्र में पारित बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह कानून 19वीं सदी के ब्रिटिश दौर के कानून की जगह आया है और अब बैंकों के डिजिटल रिकॉर्ड को कानूनी रूप से स्वीकार्यता दी गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में 40 हजार से अधिक अनुपालन हटाए गए हैं। इसके अलावा 1,500 से ज्यादा पुराने कानूनों को समाप्त किया गया है। उनके मुताबिक, इन कदमों से उद्योगों और कारोबारों पर अनुपालन का बोझ काफी कम हुआ है।

उत्पादन बढ़ाने पर अब सजा नहीं, प्रोत्साहन क्यों?

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जिस व्यवस्था में उत्पादन बढ़ाने पर दंड जैसा माहौल था, अब सरकार उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज नीति और शासन, दोनों स्तरों पर अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ा रहा है और इनका उद्देश्य लोगों के लिए जीवन को आसान बनाना भी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पहले की सरकारों के दौरान पीएलपी यानी 'प्रोडक्शन लिंक्ड पनिशमेंट' जैसे मॉडल से आगे बढ़ें अब पीएलआई यानी 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' की व्यवस्था की ओर बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति का उद्देश्य उत्पादन को बढ़ावा देना और नए अवसर पैदा करना है।

लाइसेंस राज को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

वैश्विक नेताओं के मंच पर पीएम मोदी ने पिछली सरकारों की नीतियों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों की नीति लोगों को कमी और अभाव की स्थिति में रखने की थी, ताकि उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी सरकार के सामने निर्भर रहना पड़े। उन्होंने कहा कि पुराने दौर का लाइसेंस राज बेरोजगारी बढ़ाने का कारण बनता था, जबकि उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन यानी ढछकमॉडल नए अवसर पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार अपनी विकास गति को बनाए रखने के लिए सुधार कर रहा है। उनके मुताबिक, नीति स्तर के सुधारों के साथ शासन व्यवस्था में भी बदलाव किए जा रहे हैं, ताकि देश में आर्थिक गतिविधियों और लोगों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

आरक्षण के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, हिरासत में कई प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली। आरक्षण के विरोध में शुक्रवार देर रात को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटे प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने वहां से हटा दिया। प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने का हवाला देते हुए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से जगह खाली करने को कहा। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर मंतर से हटा दिया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस और आरएएफ ने हिरासत में ले लिया। वहीं, आयोजक हर्ष दूबे के सभी प्रदर्शनकारियों को राजघाट पहुंचने की अपील की है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरक्षण हटाओ प्रदर्शन के नाम से रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए एनओसी पत्र जारी किया गया था। इसमें अधिकतम 500 लोगों के जुटने की अनुमति थी और प्रदर्शन शाम चार बजे तक किया जा सकता था। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पुलिस ने उन्हें हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए जंतर मंतर से उठाया। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि वे शांतिपूर्वक बैठे हुए थे और हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें वहां से हटाना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस और आरएएफ ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के चलते जंतर-मंतर पर कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। आरक्षण व्यवस्था में बदलाव और जातिगत आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर शुक्रवार को सैकड़ों लोग जंतर मंतर पहुंचे। हाथों में बैनर पोस्टर और आरक्षण विरोधी नारे लिखी तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी यहां एकत्रित हुए।

'शरीर में 200 छर्रे, गंवाई आंख की रोशनी': पीड़ित साहिल की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संसद मार्ग थाने के बाहर करीब आठ घंटे तक धरने पर बैठने के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल लोचब की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर दर्ज होने के बाद साहिल लोचब ने राहुल गांधी का आभार जताते हुए कहा कि पिछले एक महीने से उनकी टीम लगातार उनके संपर्क में थी और राहुल गांधी स्वयं भी उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहे।

एफआईआर में क्या-क्या?

एफआईआर में साहिल लोचब ने आरोप लगाया है कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक निकाले जा रहे छात्र मार्च के दौरान उन पर धातु के पैलेट दागे गए, जिससे उनकी दाहिनी आंख की रोशनी चली गई और शरीर के कई हिस्सों में सैकड़ों छर्रे लगे।

शिकायत के अनुसार, 20 वर्षीय साहिल लोचब दिल्ली के नजफगढ़ स्थित अग्रवाल कॉलोनी के निवासी हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के छात्र हैं। उन्होंने शिकायत में कहा है कि उनके पिता दिव्यांग हैं और वह परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। उन्होंने यह भी लिखा है कि उनके खिलाफ कभी कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ।

कहां-कहां लगे पैलेट?

एफआईआर के मुताबिक, 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा 2025 तथा नीट पेपर लीक के विरोध में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान संसद की ओर मार्च निकाला जा रहा था। साहिल का कहना है कि लाठीचार्ज और भगदड़ के बीच वह पालिका, कनॉट प्लेस क्षेत्र तक पहुंच गए थे और उनके हाथ में तिरंगा झंडा था।

शिकायत में कहा गया है कि उसी दौरान आंसू गैस और लाठीचार्ज हुआ। इसी बीच उनका चेहरा दूसरी दिशा में था, तभी उन्हें दाहिनी छाती, बाजू और आंख पर तेज धमाके जैसा महसूस हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने नीली वर्दी पहने एक व्यक्ति को बड़ी बंदूक के साथ देखा, जिसने उन पर धातु के पैलेट चलाए। साहिल के अनुसार, उन पर पांच से छह बार पैलेट दागे गए, जिसके बाद उनकी आंख, चेहरा, हाथ और छाती से खून बहने लगा और दाहिनी आंख से दिखाई देना बंद हो गया। एफआईआर में कहा गया है कि घायल होने के बाद उन्हें पहले लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी पहली एमएलसी बनाई गई। इसके बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल और फिर एम्स रेफर किया गया। 21 जुलाई की रात उन्हें एम्स आरपीसी आई सेंटर भेजा गया और बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया। शिकायत के अनुसार, 22 जुलाई की रात उनकी आंख का पहला ऑपरेशन हुआ।

शरीर में 200 से अधिक धातु के छर्रे

साहिल ने शिकायत में दावा किया है कि डॉक्टरों ने एमएलसी में साफ लिखा है कि उनकी आंख में चोट पैलेट से लगी है और आंख की रोशनी लौटने की संभावना एक प्रतिशत से भी कम है। शिकायत के मुताबिक, कुछ छर्रे आंख की नस के पास हैं जिन्हें निकाला नहीं जा सकता और दो छर्रे जीवनभर आंख के अंदर रहेंगे।

गंवानी पड़ी आंख

एफआईआर के अनुसार, 25 जुलाई को दोबारा जांच में दाहिनी आंख में कोई दृष्टि नहीं पाई गई। 31 जुलाई को आरपीसी आई सेंटर की ओपीडी में जांच के बाद 1 अगस्त को दूसरी सर्जरी की गई, लेकिन आंख की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। शिकायत में कहा गया है कि डॉक्टरों ने बाद की चिकित्सकीय पर्चियों में भी चोटों को धातु के छर्रों से लगी चोट बताया है।

पश्चिम बंगाल: अमित शाह का ममता पर हमला, बोले-

सिंडिकेट को बचाने के लिए नए आपराधिक कानूनों को नहीं किया लागू

एजेंसी, कोलकाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने संसद से पारित नए आपराधिक कानूनों को इसलिए अधिसूचित नहीं किया, क्योंकि वह सिंडिकेट, कट-मनी और वसूली के राज को बचाना चाहती थीं।

सिलीगुड़ी के कावाखाली मैदान में शुक्रवार को तीन नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि अब सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इन कानूनों को लागू किया है। उन्होंने दावा किया कि इन कानूनों ने राज्य में भय के माहौल को भरोसे में बदलने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया है।

'ममता ने नए कानूनों को अधिसूचित नहीं किया'

अमित शाह ने कहा, जब पूरा देश नए आपराधिक कानूनों को लागू करना शुरू कर चुका था, तब ममता बनर्जी ने इन्हें अधिसूचित नहीं किया। उन्हें पता था कि ये कानून उनके सिंडिकेट, कट-मनी और वसूली के राज के लिए मौत की घंटी साबित होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य में कानून का शासन स्थापित किया है। नए आपराधिक कानूनों से न्याय देने की प्रक्रिया तेज होगी और किसी भी पुलिस थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई जा सकेगी।

घुसपैठियों को लेकर भी दोहराया रुख

सीमा पार से घुसपैठ के मुद्दे पर शाह ने अपना रुख दोहराते हुए कहा, मैं इस राज्य में एक-एक घुसपैठिये का पता लगाने और 'डिटेक्ट-डिलीट-डिपोर्ट' तंत्र के जरिए उन्हें देश से बाहर निकालने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराता हूं। उन्होंने कहा कि बनर्जी ने बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के लागू होने को रोकने की कोशिश की थी और इसका मजाक भी उड़ाया था। शाह ने कहा, ह्लेकिन अब लोगों ने उन्हें और उनकी सरकार को सत्ता से हटा दिया है।

मुंबई हमले के गुनहगारों पर होगी कार्रवाई इंटरपोल जारी करेगा समन

मुंबई। मुंबई पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापकों हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी समेत छह फरार आरोपियों के खिलाफ इंटरपोल के जरिए कोर्ट के समन या वारंट जारी करवाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इससे 26/11 के आतंकी हमलों में उनकी भूमिका के लिए उनकी गैर-मौजूदगी में मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है।

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम ने शुक्रवार को पुलिस की ओर से एक अंतरिम रिपोर्ट पेश की। यह रिपोर्ट इस साल जुलाई में फरार आरोपियों के खिलाफ जारी उस उद्घोषणा आदेश के बारे में थी, जिसके तहत उनकी गैर-मौजूदगी में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू की जानी है।

बारिश से उफने तालाब, गलियों में भरा पानी

ग्रामीणों को घरों में सता रहा सांप-बिच्छू के हमले का डर

टीएनएफ टुडे, बाह।

जैतपुर और बाह क्षेत्र के 150 गांवों में शुक्रवार को भी दोपहर से शाम तक बादल बरसे। बरसात के पानी से उफनाए तालाबों का पानी गलियों में भर गया है। बस्ती के बीच में जैतपुर के नयेपुरा, धनियापुरा गांव के तालाबों का पानी घरों की देहरी तक भरने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पानी के साथ बहकर आने वाले सांप और बिच्छू के हमले का डर सता रहा है। धोबई एवं फरैरा गांव के तालाब का पानी गलियों में भर गया है। जिससे आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। पड़कौली गांव में तालाब की सफाई न होने की बजह से पानी खेतों में भरने लगा है। मढ़ेपुरा के तालाब का पानी भी बस्ती के घरों तक पहुंच गया है। उदयपुर कला के तालाब का पानी गली तक पहुंच गया है। समाजसेवी अजय भदौरिया ने बताया कि पानी भरे रास्ते से बस्ती के लोग निकलने को मजबूर हैं। जैतपुर की बस्तियों में खाली पड़ी जमीनें तालाब की शक्ल में बदल गई हैं।

प्रगतिशील नेता कुलदीप भदौरिया ने पानी की निकासी के साथ गलियां एवं नालियां पक्की कराए जाने की मांग खंड विकास अधिकारी से की है। सहाबरायपुरा, पुरा कनेरा में भी बारिश से उफनाए तालाब का पानी रास्ते तक आ गया है। भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की युवा इकाई के जिलाध्यक्ष मोनू शर्मा ने बताया कि तालाबों के पानी के साथ घरों तक सांप-बिच्छू आने का मामला खंड विकास अधिकारी नीरज तिवारी के सामने उठाया है। उन्होंने तालाबों की सफाई एवं जल निकासी कराए जाने का आश्वासन दिया है।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मनाई

लखनऊ के प्रेरणा स्थल व अयोध्या के राम मंदिर परिसर में प्रतिमा लगाने की मांग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

बाबूजी कल्याण सिंह की पाँचवीं पुण्य तिथि के अवसर पर अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा फतेहपुर सीकरी के तत्वाधान में ग्राम पंचायत सुपहरा में महारानी अवंतीबाई लोधी स्मृति द्वार का लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद लोधी व विशिष्ठ अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गुड्डू चाहर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्रभान प्रधान व संचालन महावीर सिंह प्रधान ने किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद लोधी ने बाबूजी जी जीवन पर प्रकाश डालते हुआ कहा कि राजस्थान के पूर्व राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 'पद्म विभूषण' ह्याबाबूजीह्ण कल्याण सिंह जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। परम 'रामभक्त' 'बाबूजी' का संपूर्ण जीवन रामकाज, राष्ट्रनिष्ठा, सांस्कृतिक चेतना एवं लोक-कल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी आदर्श है। उनके साहसिक, ऐतिहासिक योगदान और सुशासन के प्रति अखंड प्रतिबद्धता को राष्ट्र युग-युगांतर तक स्मरण करेगा।

उन्होंने कहा की भारतीय जानता पार्टी को देश के हर हिंदू की भावनाओं का सम्मान करते हुए बाबूजी कल्याण सिंह को भारत रत्न के साथ ही लखनऊ के प्रेरणा स्थल व अयोध्या के राम मंदिर परिसर में बाबूजी कल्याण सिंह की प्रतिमा लगानी चाहिए।

गुड्डू चाहर ने कहा कि बाबूजी कल्याण सिंह को भाजपा की हिंदुत्ववादी राजनीति का प्रमुख चेहरा माना जाता रहा है। राम मंदिर आंदोलन के दौरान उनकी भूमिका और मुख्यमंत्री के रूप में लिए गए फैसलों ने उन्हें देशभर में अलग पहचान दिलाई। अलीगढ़ के लिए भी वह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रेरणा के केंद्र रहे।

जिलाध्यक्ष मोहन सिंह लोधी ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल जैसे पदों पर रहते हुए भी उनकी छवि बेदाग रही।आज भी राजनीति में उनके व्यक्तित्व की सराहना उनके विरोधी भी करते है। नकल अध्यादेश से लेकर वर्तमान में भव्य राम मंदिर का जो स्वरूप है वो उनके बिना त्याग के संभव नहीं था। बहुत जल्द आगरा में अखिल भारतीय लोधी महासभा बाबूजी की भव्य प्रतिमा लगवाने का कार्य करेगी।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय लोधी महासभा मोहन सिंह लोधी का 31 मीटर का साफा पहना कर स्वागत किया गया। प्रमुख रूप से मोहन सिंह लोधी जिला अध्यक्ष लोधी महासभा, बब्लू लोधी क्षेत्रीय महामंत्री ब्रज पि.मोर्चा, हरिओम लोधी का. प्रदेश अध्यक्ष, डॉ. सुनील राजपूत, कोमल सिंह, चतुरी सिंह, चंद्रभान प्रधान, खरग सिंह प्रधान, कुंदन सिंह लोधी, महावीर सिंह प्रधान, रामगोपाल प्रधान, प्रवेंद्र मौजूद रहे।

अपर निदेशक पशुपालन ने किया गौशालाओं का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

गौवशों में लम्पी रोग के आने की जानकारी पर अपर निदेशक पशुपालन आगरा के द्वारा गौशालाओं तथा धिमिश्री में गौपालकों के घर-घर जाकर निरीक्षण किया गया।

शुक्रवार को अपर निदेशक पशुपालन आगरा देवेंद्र पाल सिंह के द्वारा सबसे पहले नगरचंद गौशाला पहुंचे जहां हरा चारा एक दिन पहले का पड़ा हुआ था जिसको लेकर गौशाला संचालक से रोजाना हरा चारा मंगाने के लिए कहा वहीं उसके बाद मेवली कलां गौशाला पहुंचे जहां पर हरा चारा व भूसा नहीं था जिसको लेकर तुरंत व्यवस्था करने के निर्देश दिए, तथा उन्होंने कहा कि गौशाला में चोकर की जगह पशु आहार गोवंशों को खिलाया जाए वहीं हरे चारे के लिए गोचर भूमि की जानकारी करने पर बताया कि उसमें टीला है तभी उन्होंने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना

पत्र देकर बीवी राम जी योजना के तहत समतलीकरण करने का सुझाव दिया तथा वहां से धिमिश्री में लम्पी रोग से पीड़ित गौवंशों को देखा जहां रामनिवास शर्मा की 3 साल की गाय को लंबी की शिकायत थी जिसके टीकाकरण हो चुका है तथा सौदान सिंह व रामसिंह की गायों के टीकाकरण की भी जानकारी ली। इसी पर अपर निदेशक देवेंद्र पाल सिंह से बात करने पर बताया कि इस समय गोवंशों में लम्पी रोग तथा भैंसे में खुरपका व मुंहपका रोग चल रहा है जिसको लेकर विभाग के द्वारा टीकाकरण कराया जा रहा है जिसका मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया तथा गौशालाएं देखी जहां कमियां

फतेहाबाद में तालाबों की नीलामी 9 व 16 सितंबर को

आगरा। उप जिलाधिकारी फतेहाबाद ने अवगत कराया है कि फतेहाबाद एवं शमसाबाद विकास खंड क्षेत्र के विभिन्न राजस्व ग्रामों में स्थित तालाब/पोखर/जलाशयों को 10 वर्षीय मत्स्य पालन के लिए नीलामी के माध्यम से आवंटित किया जाएगा। नीलामी प्रक्रिया संबंधित नायब तहसीलदार/तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। नीलामी के लिए कुल 109 तालाब/पोखर/जलाशय सूचीबद्ध किए गए हैं। इनमें फतेहाबाद विकास खंड के 79 तथा शमसाबाद विकास खंड के 30 तालाब शामिल हैं।

फतेहाबाद विकास खंड के तालाबों की नीलामी 09 सितंबर को तथा शमसाबाद विकास खंड के तालाबों की नीलामी 16 सितंबर को प्रातः 10 बजे से तहसील सभागार, फतेहाबाद में आयोजित होगी।

स्कूली बच्चों ने निकाली भव्य कांवड़ यात्रा

टीएनएफ टुडे, जगनेर।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जगनेर परिसर से आज प्रातः 8 बजे से नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई जिसमें विद्यालय के कक्षा एलकेजी से कक्षा दो तक के लगभग 125 बच्चों ने अपने कंधों पर बड़ी सजावट की हुई कांवड़ लेकर जिसमें गुब्बारे, फीता, विभिन्न वस्त्र, शीशे, पुष्प, गंगाजल से भरी चमचमाती बोतलें आदि प्रकार से सुसज्जित करके स्वयं पीले लाल श्वेत वस्त्र पहने नन्हे नन्हे कंधों पर पंक्तिबद्ध होकर विद्यालय प्रांगण से निकले तो लगभग आधा किमी लंबी कतार लग गई बच्चों के दोनों तरफ अपने अपने पाल्यों की देख भाल के लिए माता पिता किसी के बड़े भाई बहन चल रहे थे विद्यालय के आचार्य बंधु, आचार्या बहनें पूर्ण जिम्मेदारी एवम अनुशासित रूप से प्रत्येक नन्हे कांवड़िए का ख्याल रखे हुए थे

सबसे आगे विद्या मंदिर के 40 छात्रों द्वारा घोष बजता हुआ चल रहा था जिनके पीछे पंक्ति बद्ध शेष 400 बच्चे 2 किमी लंबा मार्ग हर हर महादेव, हर हर गंगे, जय जय शिव शंकर के नारों से गूंजता हुआ,पटेल रोड,तांतपुर रोड,बाल्मिकी चौक,रोडवेज बस स्टैंड मार्ग, मैन चौराहा, गंज, मुख्य बाजार ,बंडपुरा होते हुए श्री ग्वाल बाबा मंदिर स्थित शिव जी मंदिर पर प्रत्येक नन्हे कांवड़िए द्वारा अपने अपने माता पिता के सहयोग से गंगाजल चढ़ाया गया पूरे 2किमी लंबी परिक्रमा में गुलाब के फूलों की वर्षा से पूरा मार्ग गुलाबमय हो गया मार्ग में बच्चों का जगह जगह स्वागत कर जलपान कराया गया। प्रबंध समिति के पदाधिकारियों में नरेंद्र पाठक, श्रीकृष्ण शर्मा, शिवप्रसाद बिंदल, हरिओम मंगल, सत्यप्रकाश बाबूजी, हरिओम बंसल, सुरेश लेखपाल, रामहरि माहोर, मोहन प्रचारक ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह परमार, आचार्या पूनम, आरती, दामिनी, शोभा, वर्षा, दीक्षा, प्रीति, ऋतु, रिया, अर्चना आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अतुलनीय योगदान दिया।

आंवलखेड़ा-जलेसर रोड पर भरे गड्ढे

'गड्ढा भरो अभियान' देख हरकत में आया प्रशासन

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

विधानसभा क्षेत्र की जनता को जर्जर और जानलेवा सड़कों से मुक्ति दिलाने के लिए युवा जनसेवक सीटू चौहान ने अपना वादा निभाते हुए शुक्रवार से आवलखेड़ा-जलेसर रोड पर ऐतिहासिक 'गड्ढा भरो अभियान' की शुरूआत कर दी है। सीटू चौहान ने खुद ट्रैक्टर चलाकर गड्ढों में गिट्टी डालने का काम शुरू किया, जिसे देख स्थानीय ग्रामीणों में भारी उत्साह और जोश का माहौल है।

विगत 19 अगस्त को मुढ़ी चौराहे पर स्थित गोपाल सिंह इंटर कॉलेज से सीटू चौहान ने खुले मंच से प्रशासन को चेतावनी देते हुए ऐलान किया था कि यदि शासन ने सुध नहीं ली, तो वे 21 अगस्त को खुद गिट्टी लेकर जलेसर रोड को गड्ढा मुक्त करने उतरेंगे। अपने इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वे आज सुबह ही

ट्रैक्टर-ट्रॉली और राहत सामग्री के साथ सड़क पर उतर आए और काम में जुट गए।

नींद से जागा प्रशासनसीटू चौहान के इस ऐलान और जनता के बढ़ते आक्रोश का ही असर था कि शासन-प्रशासन की नींद टूट गई। जनसेवक के जमीन पर उतरते ही प्रशासन ने आनन-फानन में जलेसर रोड की मरम्मत का कार्य खुद भी शुरू करवा दिया है। इसे सीटू चौहान के जनआंदोलन की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासनिक सक्रियता पर खुशी जाहिर करते हुए सीटू चौहान ने कहा, ₹हम शासन-प्रशासन का सहृदय धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने क्षेत्र की इस गंभीर समस्या को सुना और काम शुरू किया। हमारी मंशा केवल राजनीति करना नहीं, बल्कि इस रोड पर आए दिन होने वाले हादसों और जानलेवा दुर्घटनाओं को रोकना था। प्रशासन इस काम को पूरा करे, ताकि जनता को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

सपा नेता डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने दी बधाई

इस अभियान को अपना समर्थन देने और युवाओं का हौसला बढ़ाने के लिए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान भी आवलखेड़ा पहुंचे। उन्होंने सीटू चौहान के इस साहसिक कदम की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि जिस तरह से सीटू ने क्षेत्र की इस विकराल समस्या को उठाया और खुद जमीन पर उतरकर समाधान शुरू किया। इस दौरान रविंद्र सिंह धाकरे, रवि प्रधान आवल खेड़ा, रूपेंद्र चौहान पूर्व प्रधान उस्मानपुर, मनोज बघेल जिला पंचायत सदस्य, सत्य प्रकाश चौहान, पप्पू बाबा, सलीम खान, गोविंद चौहान, गजेंद्र चौहान, अभिषेक परमार, ललित सविता, राजेश चौहान, हेमंत प्रजापति, पिंका धाकरे, रामदेव शर्मा, प्रिंस जाटव, दिलीप कुमार, शिवम शर्मा, नवीन परमार, हर्ष चौधरी, राहुल चाहर, बसंत यादव, यश शर्मा, अजीत चौधरी, एवं सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

ज्ञान साझाकरण में 100 से अधिक विद्यार्थी शामिल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर, इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंस (आईबीएस) द्वारा आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम के सहयोग से विद्यार्थी ज्ञान साझाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्लजनरेटिव एआई एवं इसके टूल्सह्व रहा। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ वक्ता आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम की डॉ. नमिता मंगला ने विद्यार्थियों को जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अवधारणा, उपयोगिता तथा विभिन्न एआई टूल्स के व्यावहारिक प्रयोग की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. नमिता मंगला ने कहा कि वर्तमान समय में जनरेटिव एआई शिक्षा, व्यवसाय, शोध, सामग्री निर्माण, डेटा विश्लेषण और समस्या-समाधान सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई टूल्स के प्रभावी, व्यावहारिक एवं जिम्मेदार उपयोग के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उदाहरणों के माध्यम से बताया कि जनरेटिव एआई का उपयोग अध्ययन, परियोजना निर्माण, शोध कार्य, प्रस्तुतीकरण, लेखन तथा समस्या-समाधान जैसे कार्यों में किस प्रकार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने एआई से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे और विशेषज्ञ के साथ संवाद के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी विकास से परिचित कराने, उनके डिजिटल एवं व्यावहारिक कौशल को विकसित करने तथा उन्हें भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर के प्रो. ए. के. गुप्ता, डॉ. मीनाक्षी चौधरी, डॉ. श्यामली गुप्ता, इंजीनियर सोनल पांडेय, इंजीनियर सुमित पाठक, डॉ. साधना सिंह, इंजीनियर नीतू काबरा, इंजीनियर प्रेरणा मेहता, इंजीनियर तृप्ति पाल, इंजीनियर अनुपमा पारस एवं इंजीनियर प्रशांत कुमार की उपस्थिति रही।

3 फुटकर विक्रेताओं के प्राधिकार पत्र निलंबित

आगरा। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद आगरा में कृषकों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों के माध्यम से कृषकों को नियमानुसार उर्वरक का वितरण कराया जा रहा है।

उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण, निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता न हो, इसके लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा बिक्री केन्द्रों का नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है। किसी भी स्तर पर अनियमितता संज्ञान में आने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, जिसके क्रम में किसान कॉल सेन्टर एवं कार्यालय के कन्ट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर 3 उर्वरक फुटकर विक्रेताओं के प्राधिकार पत्र निलम्बित किए गए हैं।

आजादी के 80 साल बाद भी दलदल में जिंदगी

चाचीपुरा खंडेर में 700 मीटर सड़क के लिए तरसे ग्रामीण

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विकासखंड फतेहाबाद की ग्राम पंचायत चाचीपुरा खंडेर की ठार रामदास को जाने वाली पक्की सड़क से करीब 700 मीटर तक कच्ची सड़क है। जिससे सड़क बारिश से दलदल में तब्दील हो गई। वहीं शुक्रवार को शव लेकर ग्रामीण दलदल में स्ट्रेचर से लेकर घर तक पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चाचापुरा खंडेर की ठार रामदास को जाने वाली पक्की सड़क से करीब 700 मीटर की कच्ची सड़क है। जिसमें काफी गहरे गहरे गड्ढे वह बारिश के कारण से सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। वहीं शुक्रवार को स्याहीराम पुत्र स्वर्गीय वेदराम की बीमारी के चलते मौत हो गई। वहीं परिजन आगरा से एम्बुलेंस से शव लेकर गांव पहुंचे लेकिन सड़क दलदल में तब्दील होने के कारण एंबुलेंस मृतक के घर तक नहीं पहुंच सकी। तभी ग्रामीणों ने स्ट्रेचर के सहारे कंधे पर शव रखकर कच्चे रास्ते में भरे पानी व दलदल में होकर घर तक पहुंचे। जिसे देख मौजूद लोगों की आंखें शर्म से झुक गई। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि आजादी की 80 साल बाद भी यह सड़क नहीं बनी है इसको लेकर क्षेत्रीय विधायक, सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं। वहीं अधिकारियों से भी शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

शव को कंधे पर लेकर 700 मीटर तक दलदल में लेकर पहुंचे घर तक ग्रामीणः जैसे ही मृतक का शव एंबुलेंस से परिजन पहुंचे तो रास्ते में गहरे गहरे गहरी गड्ढों भरे पानी वह दलदल में तब्दील सड़क में एंबुलेंस ना पहुंचने के कारण परिजन स्ट्रेचर पर शव रखकर दलदल में होकर निकले कई बार तो ऐसा लगा कि कहीं शव ना गिर जाए लेकिन बड़ी मुश्किल ग्रामीण शव लेकर घर तक पहुंचे।

ग्रामीण शंकर लाल ने बताया कि बारिश के समय में सड़क के हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं। वही प्रसव के लिए प्रसूताओं व बीमार लोगों को चारपाई पर रखकर पक्की सड़क तक ले जाना पड़ता है।तथा रोजाना स्कूली बच्चे भी इसी रास्ते से होकर निकलते हैं जहां आए दिन बच्चे फिसल कर गिर जाते हैं जिससे उनकी किताबें वह ड्रेस खराब हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार राजनीतिक नेता आते हैं और बादे करके चले जाते हैं लेकिन इस बार अगर सड़क नहीं बनेगी तो चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है।

खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण व समस्या का समाधान करने के निर्देश दिया है।

बीज उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

आगरा। कृषि विभाग में संचालित उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 योजनान्तर्गत बीज उत्पादन पर कृषक उत्पादक संगठन के कृषक सदस्यों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र, बिचपुरी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में विशेष अतिथि अपर कृषि निदेशक (दलहन एवं तिलहन) डा राजेश कुमार एवं संयुक्त कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव द्वारा प्रतिभागीयों को मिलेट्स के उपयोग को बढावा देने के लिए मिलेट्स बीज उत्पादन हेतु प्रेरित करते हुए प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप निदेशक मृदा संरक्षण नीरज रान कटियार, उप निदेशक पादप रक्षा राजेश कुमार, उप निदेशक, बीज प्रमाणीकरण संस्था जगदीश प्रसाद, क्षेत्रीय प्रबंधक राष्ट्रीय बीज निगम सीपी सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार द्वारा प्रतिभागीयों को बीज उत्पादन, बीज प्रमाणीकरण एवं बीज विधायन के विषय में प्रशिक्षण दिया गया।

सहायक निदेशक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला विकास सेठ द्वारा समस्त अतिथि एवं प्रतिभागीयों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

संजना जाटव कांग्रेसियों को पिलाएंगी घुट्टी

बाह। संगठन सृजन अभियान का नेतृत्व कर रही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की परिवेक्षक एवं भरतपुर की सांसद संजना जाटव शुक्रवार की शाम बाह पहुंची। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए कार्यकताओं से सुझाव मांगे। जिलाध्यक्ष चयन को लेकर राय शुमारी करी। उन्होंने बूथ स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करने, बूथ कमेटियों का पुनर्गठन करने पर जोर दिया। पार्टी की रीति एवं नीति के साथ विचारधारा को जनता के बीच पहुंचाने में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी जमीन तैयार कर रही है। केन्द्र और प्रदेश की जन विरोधी नीतियों से उकताई जनता का कांग्रेस नेतृत्व की ओर झुकाव दिख रहा है। इस दौरान रामनाथ सिंह सिकरवार, गुड्डू दुबे, अनिल बिधौलिया, राघवेन्द्र सिंह मीनू, संदीप पांडेय, कमलेश मिश्रा, अरुण बौहरे, सुरेश टिकैत, अजय पचौरी, शिववीर गुर्जर, अरविंद शुक्ला, वीपी गुर्जर, संदीप पांडेय आदि रहे।

स्टेट कराटे में दो खिलाड़ियों ने जीते रजत पदक, एक को मिला कांस्य

बाह। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में बुधवार को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 70 वीं प्रादेशिक माध्यमिक विद्यालयों की कराटे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें बाह के दो खिलाड़ियों को रजत एवं एक को कांस्य पदक मिला है। कोच विश्नु मिश्रा ने बताया कि बालिका वर्ग के 17 वर्ष आयु एवं 40 किग्रा भार वर्ग में बाह की परी गुप्ता ने रजत पदक जीता है। जबकि बालक वर्ग 17 वर्ष आयु एवं 34 किग्रा भार वर्ग में लगातार तीन मुकाबले जीत कर बाह के वीरेन्द्र सिंह ने भी रजत पदक जीता। जबकि 19 वर्ष आयु एवं 35 किग्रा भार वर्ग में दो मुकाबले जीतने वाले साश्वत को कांस्य पदक पर संतोष करना पड़ा है। विजेताओं को मंडलीय शिक्षा निदेशक लखनऊ पीएन सिंह ने पुरस्कृत किया। मंडल के बाद राज्य कराटे प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उत्साहित हैं। बाह की विधायक पक्षालिका सिंह एवं पूर्व केबिनेट मंत्री अरिदमन सिंह ने क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को खुशी का इजहार बधाई दी है।

सनातन धर्म की सेवा में रामेंद्र त्यागी को नई जिम्मेदारी

इरादतनगर। राष्ट्रीय ब्राह्मण सनातन उत्थान महासंघ ने महाव ब्लॉक, सैंया निवासी रामेंद्र प्रकाश त्यागी उर्फ रामू त्यागी को वार्षिक राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिरुद्ध मिश्रा ने 20 अगस्त को नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। संगठन ने उनसे सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं ब्राह्मण समाज के उत्थान के साथ महासंघ को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई है। त्यागी ने जिम्मेदारी के लिए आभार जताते हुए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। उनकी नियुक्ति पर दिनेश कौशिक, आशीष तिवारी, मनोज त्रिपाठी, मनीष बंसल, गौरव राठी, शिवानंद मिश्रा व नरेन्द्र कुमार आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

50 लीटर देशी-कच्ची शराब नष्ट

फतेहाबाद। डौकी पुलिस ने न्यायिक मजिस्ट्रेट फतेहाबाद के आदेश के अनुपालन में शुक्रवार को थाना परिसर में छह प्रकरणों में बरामद 50 लीटर देशी व कच्ची शराब को एसीपी के नेतृत्व में नष्ट कराया। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट फतेहाबाद के आदेश के क्रम में शुक्रवार को थाना डौकी में विभिन्न छह प्रकरणों में बरामद 50 लीटर देशी व कच्ची शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया। उन्होंने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस द्वारा जब्त शराब का निस्तारण कराया गया है।

खेत पर जाते समय युवक को सांप ने काटा

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव हारकापुरा में शुक्रवार सुबह खेत पर गोबर डालने गए युवक को सांप ने काटा,सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास पुत्र थान सिंह निवासी हारकापुरा ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6:00 बजे के करीब खेत पर गोबर डालने जा रहा था। इसी दौरान पीले सांप ने पैर में काट लिया। जिसकी जानकारी होने पर परिजन ने इलाज लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया है।

खेत का रास्ता बंद, पूर्व सैनिक ने एसडीएम से लगाई गुहार

खेरागढ़। विकास खंड के गांव गढ़मुक्खा निवासी पूर्व सैनिक गुलाब सिंह ने खेतों तक जाने वाला रास्ता बंद किए जाने की शिकायत एसडीएम खेरागढ़ से की है। उन्होंने बताया कि उनकी कृषि भूमि तक पहुंचने का रास्ता पास स्थित कॉलेज के समीप से था, जिसे बंद कर दिया गया है। इससे खेतों तक आवागमन बाधित होने के कारण खेती प्रभावित हो रही है। आरोप है कि मामले की शिकायत पहले भी संपूर्ण समाधान दिवस में की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने राजस्व विभाग की टीम से मौके की जांच कराकर समस्या के निस्तारण की मांग की है।

पूर्व प्रधान को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सांसद रामजीलाल सुमन

खेरागढ़। क्षेत्र के गांव चीत के पूर्व प्रधान शीतल प्रसाद के निधन पर शुक्रवार को राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन उनके आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।सांसद ने पूर्व प्रधान के पुत्र अधिवक्ता रामवीर सिंह समेत अन्य परिजनों से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शीतल प्रसाद का सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसकी क्षेत्र हमेशा सराहना करेगा। इसके बाद सांसद रामजीलाल सुमन गांव अयेला भी पहुंचे, जहां पूर्व प्रधान के भाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान मदन गर्ग, शिशुपाल सिंह,लाला अस्थाना, सोनू त्यागी,अभय सिंह, हाकिम सिंह,दलेल सिंह सलीम उस्मानी, सतेन्द्र त्यागी,सोनू सक्सैना सहित स्थानीय ग्रामीण एवं समर्थक भी मौजूद रहे।

अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार

पिनाहट। अवैध शराब की बिक्री करने जा रहे। दो आरोपितों को गिरफ्तार कर अवैध देशी शराब और एक बाइक बरामद कर जेल भेज दिया है। गुरुवार शाम करीब आठ बजे मुखबिर की सूचना पर थाना पिनाहट पुलिस ने गांव नगला दलेल के पास नहर की पुलिया से अवैध रूप से शराब की तस्करी करने जा रहै दो आरोपित अनिल कुमार, कोमल सिंह निवासी नगला दलेल से पुलिस ने 40 टेट्रा देशी शराब और एक बाइक बरामद की। पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

करंट लगने से महिला की मौत

पिनाहट। जमीन पर पंखा रखते समय करंट लगने से महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना बसई अरेला के गांव बसई भदौरिया निवासी इसाक की पत्नी रुबी उम्र करीब 25 वर्ष शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे अपने घर के कमरे में जमीन पर रखने वाले पंखे को लगाते समय करंट लगने से बुरी तरह घायल हो गयी। गंभीर अवस्था में स्वजन फतेहाबाद अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया है। जिसके बाद स्वजन शव को घर ले आए। रुबी के भाई मुन्ना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रुबी की एक बेटी अलसीफा उम्र करीब दो वर्ष है। रुबी की शादी 2020 में इरादत नगर से हुई थी। थानाध्यक्ष बसई अरेला प्रशांत चौहान ने कहा कि सूचना मिली है। मामलेकी जांच की जा रही है।

TNF® TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

राशन की दुकान पर अब दूध, बिस्किट और कपड़े भी मिलेंगे

गेहूं-चावल के साथ 35 तरह का होगा सामान, जबरन बिक्री नहीं होगी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरकारी राशन की दुकानों का स्वरूप अब बदलने जा रहा है। 1,200 राशन दुकानों पर गेहूं-चावल के साथ दूध, ब्रेड, घी, मसाले, बिस्किट और सूखे मेवे जैसे सामान भी मिलेंगे। इसके अलावा छाता, रेनकोट, टॉर्च, बर्तन धोने के बार और इलेक्ट्रिक सामान भी खरीदे जा सकेंगे। शासन ने कोटेदारों की आय बढ़ाने के लिए राशन दुकानों पर 35 तरह की अतिरिक्त वस्तुएं बेचने की मंजूरी दी है। अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति अजय नारायण सिंह ने गुरुवार को इस संबंध में निर्देश जारी किए। नई व्यवस्था में हैंडवॉश, साबुन, डायपर, वाइप्स और शेविंग किट जैसे रोजमर्रा के सामान भी शामिल किए गए हैं।

प्रशासन का कहना है कि इससे लोगों को घर के नजदीक जरूरी वस्तुएं मिल सकेंगी और राशन विक्रेताओं की आमदनी का अतिरिक्त जरिया बनेगा। नई व्यवस्था के तहत राशन की दुकानों पर पैक्ड दूध, ब्रेड, घी, सूखे मेवे, मसाले और बिस्किट उपलब्ध होंगे। इसके साथ रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई दूसरी वस्तुओं की बिक्री भी की जा सकेगी।

नई व्यवस्था के तहत राशन की दुकानों पर पैक्ड दूध, ब्रेड, घी, सूखे मेवे, मसाले और बिस्किट उपलब्ध होंगे। बारिश के मौसम को देखते हुए छाता और रेनकोट जैसे सामान भी दुकान पर रखे जा सकेंगे। टॉर्च, इलेक्ट्रिक सामान और बर्तन धोने वाले बार भी अतिरिक्त उत्पादों की सूची में शामिल हैं। राशन दुकानों पर अब सिर्फ खाद्य सामग्री ही नहीं, बल्कि कुछ जरूरी घरेलू और व्यक्तिगत उपयोग के उत्पाद भी मिलेंगे। इनमें हैंडवॉश, साबुन, शेविंग किट के साथ डायपर और वाइप्स जैसे बेबी केयर उत्पाद शामिल हैं। प्रशासन का मानना है कि इन वस्तुओं की उपलब्धता से उपभोक्ताओं को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अलग बाजार नहीं जाना पड़ेगा। किसी भी उपभोक्ता पर अतिरिक्त सामान खरीदने के लिए दबाव नहीं बनाया जा सकेगा। जबरन बिक्री की शिकायत मिलने पर संबंधित कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि राशन दुकानों पर बेची जाने वाली खाद्य वस्तुएं एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्ता वाली होनी चाहिए। प्रशासन की ओर से व्यवस्था की निगरानी की जाएगी।

रन फॉर वन्दे मातरम् में दिखाया दम

आगरा। विश्व हिन्दू परिषद् बजरंगदल के द्वारा वन्दे मातरम के 150 वे वर्ष के उपलक्ष्य में रन फॉर वन्दे मातरम का आयोजन वह गोष्ठी का कार्यक्रम विश्व विद्यालय के जुबली हॉल में किया गया। सर्वप्रथम बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पे माल्यार्पण करके सभी अतिथि जुबली हॉल सभागार में पहुँचे। कार्यक्रम में ड्राइंग प्रतियोगिता भी रखी गई। जिसके प्रथम द्वितीय वह तृतीय आने वाले बच्चों को पुरस्कार देके सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आगरा विश्व बिद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ अँशुरानी जी ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रांत संघटन मंत्री राजेश ने कहा की सन 1875 में बकिमचन्द्र चटराजी के द्वारा वन्दे मातरम् गीत लिखा गया। जिसे पहली बार रवींद्र नाथ टैगोर के द्वारा गाया गया। कुछ देश विरोधी मानसिकता के लोग कहते है की हम पूरा गीत नहीं गाएँगे। इसे लोगो को ॅल्ल ९ को पहचाना होंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति डॉ अशूरानी ने कहा की वन्दे मातरम् सिर्फ. एक गीत नहीं है ये इस देश की शम्भूता अखंडता का संदेश है और इस देश के हर नागरिक को वन्दे मातरम का सम्मान करना चाहिए।

आगरा में 102 किलो गांजा बरामद

ओडिशा से कैंटर में छिपाकर ला रहा अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक कैंटर में छिपाकर लाया जा रहा 101 किलो 620 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपये बताई जा रही है।

20 अगस्त को थाना ट्रांस यमुना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि शाहदरा कट के पास एक कैंटर में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ लाया जा रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन लेते हुए घेराबंदी की और कैंटर को कब्जे में ले लिया। जब गाड़ी की तलाशी ली गई, तो पुलिस भी दंग रह गई। शातिर तस्करों ने खाली क्रेटों के नीचे प्लास्टिक के कट्टों में गांजा छिपाकर रखा था। मौके से पुलिस ने कैंटर चालक दीपक कुमार पुत्र सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 800 रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त कैंटर भी जब्त किया गया है।

एक चक्कर के 50 हजार का लालच

पकड़े गए आरोपी दीपक ने पुलिस के सामने कई अहम खुलासे किए। उसने बताया कि अलीगढ़ निवासी

'अनिल' ने उसे यह कैंटर मुहैया कराया था और ओडिशा से गांजा लाने का जिम्मा सौंपा था। गांजे की यह बड़ी खेप आगरा और अलीगढ़ में खपाई जानी थी। इस जोखिम भरे काम के लिए उसे प्रति चक्कर 50 हजार रुपये दिए जाते थे। पुलिस ने मास्टरमाइंड अनिल को वांछित घोषित कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इसके अलावा, जब्त किया गया कैंटर राजकुमार (निवासी रावत कॉलोनी, बरहन, एत्मादपुर, आगरा) के नाम पर पंजीकृत पाया गया है। पुलिस वाहन मालिक की भूमिका की भी गहनता से जांच कर रही है।

पहले भी जेल जा चुका है आरोपी

गिरफ्तार तस्कर दीपक का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। साल 2024 में भी फिरोजाबाद के रामगढ़ थाने में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हो चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

135 यात्रियों से वसूला 69480 रुपये जुर्माना

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रुनकता स्टेशन पर चलाया विशेष टिकट जांच अभियान

मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी रोकथाम के लिए शुक्रवार को रुनकता रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया।

रेलवे मजिस्ट्रेट आगरा अमन कुमार एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक संजय कुमार गौतम के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान रुनकता स्टेशन पर आने-जाने वाली गाड़ियों में विशेष जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक किए लगेज तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 135 यात्रियों से कुल ? 69480/- का जुमार्ना वसूल किया गया।

अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक राशिद जमील, मुख्य टिकट निरीक्षक गुलजार मोहम्मद, मुख्य टिकट निरीक्षक अजय सोनी सहित अन्य टिकट जांच कर्मचारी तथा रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी के कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि आगरा मंडल में बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं।

साथ ही बिना बुक किए लगेज ले जाने एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। यात्रियों से अपील है कि वे उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करें, निर्धारित सीमा से अधिक सामान होने पर उसे नियमानुसार बुक कराएं तथा रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत हुई काउंसलिंग

आगरा। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर में शुक्रवार को पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत भौतिक विज्ञान एवं समाजशास्त्र विषयों की काउंसलिंग आयोजित की गई। काउंसलिंग प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। भौतिक विज्ञान विषय में कुल 47 अभ्यर्थी काउंसलिंग के लिए पात्र/सूचीबद्ध थे, जिनमें से 13 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग पूरी की गई। वहीं समाजशास्त्र विषय में कुल 79 अभ्यर्थियों में से 40 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग संपन्न हुई। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से काउंसलिंग प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रिया के तहत विभिन्न विषयों में काउंसलिंग एवं संबंधित प्रक्रियाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे भी जारी रहेंगी।

111 बेटियों की आवाज बनी बदलाव की ताकत

'ज्योति दीदी' के युवा संवाद में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर संवाद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कैंट में बेटियों की आवाज, उनके सवालों और भविष्य की आकांक्षाओं को केंद्र में रखते हुए ज्योति सिंह ह्यज्योति दीदीह्ण की पहल ह्ययुवा संवादह्ण के तहत नगर निगम इंटर कॉलेज में 111 युवा बेटियों के साथ सार्थक संवाद आयोजित किया गया।

संवाद के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, लैंगिक समानता और महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर बेटियों ने खुलकर अपने विचार और अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जागरूकता तक सीमित नहीं था, बल्कि युवाओं को सुनना, उनकी

चुनौतियों और आकांक्षाओं को समझना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया में अपनी भूमिका पहचानने के लिए प्रेरित करना था।

लगभग दो दशकों से महिलाओं, किशोरियों और वंचित समुदायों के बीच सक्रिय ज्योति सिंह के जमीनी नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण पहचान लोगों के साथ संवाद और विश्वास का रिश्ता बनाना रही है। ह्ययुवा संवादह्ण इसी सोच का विस्तार है। जहाँ नेतृत्व केवल अपनी बात कहने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की बात सुनने और समझने के लिए भी उनके बीच पहुँचता है।

ज्योति दीदी ने कहा कि युवाओं को केवल अवसर उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सही जानकारी, मार्गदर्शन और अपनी बात रखने का सम्मानजनक अवसर भी मिलना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तभी व्यापक होगा, जब समाज के अंतिम छोर तक खड़े युवा भी इन अवसरों को समझकर आत्मविश्वास के साथ उनसे जुड़ सकें।

ज्योति दीदी ने बताया कि 'युवा संवाद' केवल एक शुरूआत है। उनका लक्ष्य इस पहल को आगरा कैंट के अधिक से अधिक स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों तक, विशेषकर समाज के अंतिम छोर तक, पहुँचाना है। उन्होंने कहा, ह्लमेरा प्रयास है कि आगरा कैंट के युवा और महिलाएँ बदलते भारत को केवल देखें नहीं, बल्कि उसकी विकास यात्रा में मजबूती से सहभागी बनें।

'युवा संवाद' में 111 बेटियों की सक्रिय भागीदारी इसी जमीनी सोच की एक झलक रही। आगरा कैंट में ज्योति दीदी की यह पहल संवाद से विश्वास, विश्वास से भागीदारी और भागीदारी से नेतृत्व की उस निरंतर यात्रा को आगे बढ़ाती है, जिसमें युवा शक्ति और नारी शक्ति को समावेशी विकास का सक्रिय साझेदार माना गया है।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान से किया जागरूक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने और उज्ज्वल भविष्य बनाने की दिलाई शपथ

प्रधानमंत्री के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत कल्याणम फाउंडेशन ने समाज कल्याण विभाग के सहयोग से वैजयंती देवी विद्यालय, गढ़ी भदौरिया के सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के करीब 1000 छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कल्याणम फाउंडेशन की अध्यक्षा प्रतिमा भार्गव ने कहा कि नशा धीरे-धीरे जीवन के लिए जहर बन जाता है और युवाओं के स्वास्थ्य व भविष्य को बर्बाद कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, सत्कर्म, सच्चाई और जीवन के लक्ष्यों का नशा करने का आह्वान किया। संरक्षण अधिकारी रितु वर्मा, जिला समन्वयक अधिकारी माय भारत ज्योति जादौन और वैजयंती देवी कॉलेज के डायरेक्टर नितेश शर्मा ने भी बच्चों को नशे से दूर रहने और अपने परिवार व समाज को इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। अंत में नितेश शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में कॉलेज की प्रिंसिपल ममता शर्मा, कल्याणम फाउंडेशन की सचिव संगीता जैन, प्रमिला डंग, समाज कल्याण विभाग के अधीक्षक मनोज सिंह, किशोर यूनिट के अधीक्षक रविंद्र कुमार, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के अधिकारी विवेक कुमार, प्रेरणा मलिक, राजेश्वरी सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्कूली वाहन अनफिट मिले तो होगी कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थाओं के अनाधिकृत/अनफिट स्कूली वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान की समीक्षा में संबंधितों द्वारा बताया गया कि जनपद में 412 स्कूलों के नाम पर कुल 1421 वाहन पंजीकृत हैं। जिनकी फिटनेस, परमिट, आयु, चालक की पात्रता तथा सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। अभियान के दौरान कुल 140 वाहनों का चालान तथा 37 वाहनों को पूर्णतया बंद कराया गया है। 10

अगस्त की सूची के अनुसार 79 वाहन अनफिट पाए गए थे, जिनमें से 7 वाहनों की फिटनेस पूर्ण हो चुकी है तथा 72 वाहनों का सत्यापन लंबित है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लंबित 72 वाहनों का केवल अभिलेखीय सत्यापन न किया जाए, बल्कि परिवहन विभाग द्वारा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन कराया जाए। प्रत्येक वाहन के संबंध में यह स्पष्ट किया जाए कि वह संचालित है, मौके पर खड़ा है अथवा स्क्रैप हो चुका है। अनफिट वाहन संचालित पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सत्यापन कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण कर अगली बैठक में वाहनों की स्थिति-वार रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यालय संचालकों के साथ संवाद करते हुए निजी वैन से विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभिभावकों के समूह द्वारा विद्यार्थियों के आवागमन के लिए वाहन की व्यवस्था किए जाने की स्थिति में भी संबंधित वाहन को नियमों के अनुरूप पंजीकृत, फिट एवं सुरक्षित कराया जाना आवश्यक है।

विद्यालय प्रबंधन ऐसे वाहनों की जानकारी होने पर वैधानिक प्रक्रिया पूरी कराने में सक्रिय भूमिका निभाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, एआरटीओ आलोक अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक (बालिका) विश्वप्रताप सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के संचालक तथा प्रधानाचार्य आदि उपस्थित रहे।

एसएन मेडिकल कॉलेज में एंकिलोसिस की जटिल सर्जरी सफल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएन मेडिकल कॉलेज) के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकिलोसिस का सफल ऑपरेशन किया है। लंबे समय से जबड़े की गंभीर समस्या से पीड़ित मरीज, जिसका मुंह बिल्कुल भी नहीं खुलता था, उसकी यह बेहद जटिल व कठिन सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

सफल ऑपरेशन के बाद अब मरीज का मुंह पूरी तरह से खुल पा रहा है और दांतों की बाइट भी एकदम सटीक आ गई है। इससे मरीज अब आसानी से और अच्छे से खाना

खा पा रहा है। इस सफल इलाज से मरीज एवं उसके परिजन अत्यंत प्रसन्न हैं और उन्होंने मेडिकल कॉलेज की टीम का आभार व्यक्त किया है।

प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रो. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि एंकिलोसिस के मामलों में सर्जरी अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन हमारी विशेषज्ञ टीम के कुशल समन्वय से यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। उन्होंने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज में आधुनिक तकनीकों और अनुभवी डॉक्टरों के माध्यम से इस तरह की जटिल सर्जरी लगातार सुलभ कराई जा रही हैं। यह जटिल सर्जरी प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम द्वारा की गई। सर्जिकल टीम में डॉ. पुनीत भारद्वाज, डॉ. प्रिया पी. पी., डॉ. प्रीति भारद्वाज, डॉ. आकाश, डॉ. अभिषेक पंकज एवं डॉ. अर्पिता शामिल रहे। ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया विभाग की ओर से डॉ. अमृता, डॉ. विकास एवं डॉ. पीयूषा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जटिल एनेस्थीसिया प्रबंधन और सर्जिकल टीम के समन्वित प्रयासों से यह कठिन सर्जरी सुरक्षित रूप से पूरी हो सकी।

व्यापार मंडल ने डीसीपी सिटी को सौंपा ज्ञापन

आगरा। व्यापार मंडल के अध्यक्ष टीएन अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय पुरसनानी के नेतृत्व में व्यापारियों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस डीसीपी (सिटी) सैय्यद अब्बास अली से मुलाकात की और अपनी समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कपड़ा व्यापारियों से माल लेकर समय पर भुगतान न करने और धोखाधड़ी की बढ़ती गंभीर समस्याओं से डीसीपी सिटी को अवगत कराया। इस दौरान व्यापारियों की लंबित शिकायतों के त्वरित व उचित निस्तारण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। डीसीपी (सिटी) सैय्यद अब्बास अली ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि इस विषय को सक्षम स्तर पर रखकर व्यापारियों की समस्याओं का उचित समाधान निकाला जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से जय पुरसनानी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आगरा व्यापार मंडल) संजय अग्रवाल (महामंत्री, आगरा क्लॉथ मर्केंटाइल एसोसिएशन) ताराचंद गोयल (कोषाध्यक्ष, एक्मा) बृजकिशोर अग्रवाल (उपाध्यक्ष, एक्मा) राजीव कुमार गुप्ता (मंत्री, एक्मा) गौरव जिंदल (कार्यकारिणी सदस्य, एक्मा) रितेश जैन (कार्यकारिणी सदस्य, एक्मा) मौजूद रहे।

ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों के चहरे खिले

आगरा। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय समिति के समक्ष कृषकों की उपस्थिति में कृषि विभाग में संचालित विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु कृषकों का शासनदेशानुसार ई-लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया है। ई-लॉटरी में चयनित कृषकों को सूचना उनके मोबाइल नम्बर पर पर भी प्राप्त हुई। कुल 108 कृषि यंत्रों के सापेक्ष कुल बुकिंग 551 की बुकिंग हुई जिसके सापेक्ष 108 कृषि यंत्रो हेतु कृषकों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। चयन का मैसेज प्राप्त होने के उपरान्त चयनित कृषकों के चहरे प्रसन्नता से खिलखिला उठे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

बचपन को बचाने के लिए

दिसंबर 2010 में ट्यूनिशिया से शुरू लोकतंत्र समर्थक लहर सोशल मीडिया के इतिहास का निर्णायक बिंदु है। सोशल मीडिया के सहारे यह लहर काहिरा के तहरीर चौक से सीरिया और लीबिया होते हुए समूचे अरब जगत में फैल गई। इतिहास में इस लहर को अरब स्प्रिंग यानी अरब का बसंत और पिंक रिवोल्यूशन या गुलाबी क्रांति के रूप में दर्ज है। अरब देशों में बदलाव लाने की सोच के विस्तार के पीछे सोशल मीडिया को बड़ा जरिया माना गया। लंबे यूरोपीय शासन और शिक्षा–दीक्षा के चलते भारतीय मानस अपनी सांस्कृतिक जड़ों और मूल्यों से कहीं ज्यादा प्रभावित है। इसलिए भारत में सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलिया और दूसरे पश्चिमी देशों जैसे सवाल नहीं उठे। अगर इन देशों से पहले यहां सवाल उठते तो उसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बता दिया जाता। बहरहाल उम्मीद की जानी चाहिए कि हम भी पश्चिमी देशों से सबक लेंगे और अपने यहां के बचपन को स्वस्थ रखने और बचाने की कोशिश जरूर करेंगे। किशोरों और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूरोप के कई देशों ने पंद्रह या सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगानी शुरू कर दी है। इसका अगुआ होने का श्रेय ऑस्ट्रेलिया को है, जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के इंस्टाग्राम, फेसबुक, टिकटॉक, एक्स यानी ट्विटर और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। इसी तरह फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला यूरोप का पहला देश हो गया है। वहां की संसद ने पंद्रह साल तक के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का कानून पारित कर दिया है। हालांकि यह कानून खटाई में पड़ गया है। फ्रांस के सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन माना है। अदालत का कहना है कि नाबालिगों पर प्रतिबंध लगाने के चक्कर में यह कानून असल में हर नागरिक पर सोशल मीडिया का उपयोग करने से पहले अपनी उम्र साबित करने का दबाव बनाता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैंक्रो इस इस कानून के प्रबल समर्थक हैं। अदालत के फैसले के बाद उन्होंने कहा है कि इस कानून को लागू करने के लिए अदालती फैसले के मद्देनजर जरूरी सुधार करके फिर से इसे संसद से पारित कराया जाएगा। दुनियाभर में बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक के लिए उनके मानसिक स्वास्थ्य में आ रही गिरावट और बढ़ते मानसिक तनाव को जिम्मेदार माना जा रहा है। कई शोधों से पता चला है कि लगातार स्क्रीन देखने और सोशल मीडिया के इस्तेमाल से बच्चे दूसरों की लाइफस्टाइल से खुद की तुलना करने लग रहे हैं। इससे उनमें हीन भावना, तनाव और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इसकी वजह से उनकी नींद में कमी हो रही है। देर रात तक फोन चलाने के कारण भी बच्चों की सोने की आदत बिगड़ रही है। इससे उनमें चिड़चिड़ाहट बढ़ रही है। जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सोशल मीडिया ऐप्स का अलगोरिदम ऐसा है, जिससे बच्चे ही नहीं, बड़े भी उसके लत का शिकार हो रहे हैं. इससे वे स्क्रीन के आदी हो रहे हैं। कई बार कम उम्र के बच्चों के सामने आत्महत्या, हिंसा या उम्र के हिसाब से गलत सामग्री भी आती है। वैसे सोशल मीडिया का अलगोरिदम ऐसा है कि नकारात्मक, हिंसा प्रधान और सेक्स से जुड़ी खबरें और दृश्य जल्दी वायरल होते हैं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग और अभद्र टिप्पणियों का बड़ा और आसान माध्यम बन गया है। इनकी वजह से बच्चे मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं। बच्चों को फंसाने वाले अपराधी उन्हे आसानी से अपना शिकार बना लेते हैं। इसीलिए दुनिया में कई देशों की सरकारें बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की तैयारी में हैं।

आंदोलन क्यों पकड़ रहा जोर?

देखा जाये तो जनगणना शासन, विकास और कल्याण के लिए अनिवार्य है। लेकिन यहां सवाल यह है कि क्या लंबे विस्थापन, अधूरी पुनर्वास प्रक्रिया और गहरे जनस–ांख्यिकीय अविश्वास के बीच की गई जनगणना मणिपुर की सामान्य सामाजिक संरचना का वास्तविक चित्र पेश कर पाएगी? बहरहाल, सरकार को आंदोलन को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानने की बजाय उसके पीछे छिपे विश्वास के संकट को समझना होगा। एक प्रशिक्षण कार्यक्रम रद्द कर देना या दिल्ली में ज्ञापन सौंप देना पर्याप्त नहीं होगा। मणिपुर को तथ्य–आधारित एनआरसी बहस, विस्थापितों की सुरक्षित वापसी, जनगणना की विश्वसनीयता और सभी समुदायों की संवैधानिक सुरक्षा पर गंभीर राजनीतिक संवाद चाहिए। मणिपुर में जनगणना से पहले एनआरसी की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब बड़ा रूप ले चुका है और राज्य सरकार ही नहीं बल्कि केंद्र सरकार की चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। मणिपुर में बड़े प्रयासों के बाद शांति स्थापित हुई लेकिन नये आंदोलन के चलते प्रशासन के हाथ पांव फूल रहे हैं और जनगणना प्रशिक्षण का काम कुछ जिलों में रोकना पड़ गया है। देखा जाये तो मणिपुर में ह्यनो एनआरसी, नो सेंससह्ण का नारा अब केवल जनगणना रोकने की मांग तक सीमित नहीं रह गया है। इसके पीछे विस्थापन, जनसंख्या में बदलाव, भूमि अधिकार, पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताएं हैं। तीन साल से अधिक समय से जातीय हिंसा की मार झेल रहे मणिपुर में जनगणना से पहले एनआरसी की मांग अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक मुद्दे का रूप ले चुकी है।इसी पृष्ठभूमि में कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डिलिमिटेशन के नेतृत्व में आंदोलन तेज हुआ। 48 घंटे के बंद के दौरान कई घाटी जिलों में सड़कें जाम की गईं, प्रदर्शन हुए और मुख्यमंत्री व गृह मंत्री के पुतले जलाए गए। छात्रों और महिलाओं की भागीदारी ने आंदोलन को व्यापक जनरूप दिया। अब सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का भी ऐलान किया गया है, जबकि आवश्यक सेवाओं को इससे अलग रखा गया है। बढ़ते तनाव के बीच राज्य सरकार ने शिक्षण संस्थानों को तीन दिन के लिए बंद करने का आदेश दिया है।

बताया जा रहा है कि आंदोलन की मूल मांग है कि जनगणना से पहले नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स यानी एनआरसी को लागू या अपडेट किया जाए। देखा जाये तो यहां एनआरसी और जनगणना में अंतर समझना जरूरी है। जनगणना का उद्देश्य आबादी की गणना और उसकी सामाजिक–आर्थिक जानकारी जुटाना है, जबकि एनआरसी का संबंध भारतीय नागरिकों की पहचान से है। नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 14ए और 2003 के नियम इसके कानूनी ढांचे से जुड़े हैं। आंदोलन समर्थकों का तर्क है कि पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि राज्य की वैध जनसांख्यिकीय आबादी कौन है, उसके बाद ही नई जनगणना के आंकड़ों को भविष्य के प्रशासनिक और राजनीतिक फैसलों का आधार बनाया जाए।

-अनाम

रेगिस्तान की रेत से बोर्डरूम तकः शेखावाटी के मारवाड़ियों ने कैसे खड़े किए भारत के कारोबारी साम्राज्य

“इस कहानी की शुरूआत राजस्थान के शेखावाटी इलाके से होती है; चूरू, सीकर और झुंझुनूं का सूखा और कठिन भूभाग। यहां पानी कम था, खेती अनिश्चित थी और गर्मियों में धरती अंगारों जैसी तपती थी। इस इलाके ने लोगों को वह सब सिखाया, जो उपजाऊ मैदान शायद ही सिखा पाते हैं; मुश्किल हालात में जीना और कमी को अवसर में बदलना। इन्हीं धूल भरे कस्बों से भारत के कई बड़े कारोबारी घराने निकले: बिड़ला, बजाज, डालमिया, गोयनका, सिंघानिया, पोद्दार, रूइया, पीरामल और अनेक अन्य।

बृज खंडेलवाल द्वारा

कैमरा घूमता है। पर्दे पर एक भव्य हवेली दिखाई देती है। मोटे-से सेठजी अपनी गद्दी पर बैठे हैं। आसपास बही-खाते, तिजोरियां और रुपयों के बक्से रखे हैं। पास में पुराने हिन्दी सिनेमा के परिचित मुनीमजी खड़े हैं, एक्टर कन्हैया लाल, चेहरे पर चालाक मुस्कान और हाथ में मोटा हिसाब-किताब। कोई मदद मांगता है, तो पहले खर्च का हिसाब होता है। कोई कर्ज मांगता है, तो ब्याज की नई दर खुल जाती है। दशकों तक हिन्दी फिल्मों ने मारवाड़ी व्यापारी की एक ऐसी छवि बनाई; चतुर, कंजूस और हर समय मुनाफे के पीछे भागने वाला। लेकिन पूरी सच्चाई इतनी भर नहीं थी।

यह छवि दर्शकों का मनोरंजन जरूर करती रही, मगर एक जीवंत और कर्मठ समुदाय को मजाकिया या खलनायक जैसे किरदारों तक सीमित कर दिया गया। मारवाड़ियों ने केवल दौलत नहीं कमाई। उन्होंने कारखाने लगाए, रोजगार पैदा किए, स्कूल और अस्पताल बनाए और आधुनिक भारत के उद्योगों की बुनियाद मजबूत की। इस कहानी की शुरूआत राजस्थान के शेखावाटी इलाके से होती है; चूरू, सीकर और झुंझुनूं का सूखा और कठिन भूभाग। यहां पानी कम था, खेती अनिश्चित थी और गर्मियों में धरती अंगारों जैसी तपती थी। इस इलाके ने लोगों को वह सब सिखाया, जो उपजाऊ मैदान शायद ही सिखा पाते हैं; मुश्किल हालात में जीना और कमी को अवसर में बदलना। इन्हीं धूल भरे कस्बों से भारत के कई बड़े कारोबारी घराने निकलेः बिड़ला, बजाज, डालमिया, गोयनका, सिंघानिया, पोद्दार, रूइया, पीरामल और अनेक अन्य। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन परिवारों ने देश के उद्योग, व्यापार और वित्तीय दुनिया की तस्वीर बदली।

मगर शेखावाटी का योगदान केवल कारोबार तक सीमित नहीं रहा। झुंझुनूं को शहीदों की नगरी भी कहा जाता है। यहां के गांवों से पीढ़ियों से नौजवान सेना में जाते रहे हैं। एक तरफ सीमा पर देश की रक्षा करने वाला जवान था, दूसरी तरफ देश की आर्थिक ताकत बढ़ाने वाला उद्यमी। दोनों को हिम्मत, अनुशासन और सब्र की जरूरत थी। नक्शे को गौर से देखिए, तो व्यापार का इतिहास एकदम निजी और जीवंत लगने लगता है।

पिलानी का नाम बिड़ला परिवार से जुड़ा है। उन्नीसवीं सदी में शिव नारायण बिड़ला बंबई गए और उनके वंशजों ने भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों में से एक खड़ा किया। चिड़ावा डालमियाओं से जुड़ा रहा। नवलगढ़ ने गोयनका, पोद्दार, केड़िया, सेक्सारिया और मोरारका जैसे कारोबारी परिवारों को जन्म दिया। रामगढ़ का रिश्ता रूइया और पोद्दार परिवारों से है, जबकि बगर पीरामल परिवार से जुड़ा है।

सीकर के पास काशी का बास में जमनालाल बजाज का जन्म हुआ। आगे चलकर वे बड़े उद्योगपति ही नहीं, बल्कि आजादी की लड़ाई के प्रमुख समर्थक भी बने। चूरू के सादुलपुर ने लक्ष्मी मित्तल को जन्म दिया, जिन्होंने दुनिया भर में इस्पात का विशाल साम्राज्य खड़ा किया। सिंघानिया, सर्राफ, मोदी और अनेक परिवारों ने भी अपने-अपने ढंग से ऐसी ही राह तय की।

दिलचस्प बात यह है कि इनमें से अधिकतर दौलत शेखावाटी में नहीं बनी। रेगिस्तान ने उन्हें जड़ें दीं, जबकि कोलकाता, बंबई और दूसरे व्यापारिक शहरों ने उन्हें बड़ा मंच दिया। मारवाड़ियों की सफलता केवल मितव्ययिता या बचत का नतीजा नहीं थी। इसके पीछे भरोसा, अनुशासन और बदलते समय के साथ ढलने की क्षमता थी। आर्थिक इतिहासकार थॉमस ए. टिम्बर्ग ने इस सफलता के कई महत्वपूर्ण कारण बताए हैं।

सबसे पहले था समुदाय का मजबूत नेटवर्क। शेखावाटी से निकलने वाला कोई युवा आर्थिक मायने में कभी अकेला नहीं होता था। रिश्तेदार उसे व्यापारियों से मिलवाते, रहने की जगह देते, उधार दिलाते और कारोबार की तालीम का इंतजाम करते। एक व्यापारी की सफलता दूसरे के लिए रास्ता खोलती। गांव और परिवार के रिश्ते धीरे-धीरे देशव्यापी कारोबारी नेटवर्क बन गए। दूसरी बड़ी चीज थी साख। नकद पैसा जरूरी था, लेकिन आदमी का वचन अक्सर उससे भी ज्यादा कीमती माना जाता था। व्यापारी पैसा खोकर फिर संभल सकता था, लेकिन साख खोने पर कारोबार के दरवाजे बंद हो सकते थे। टिम्बर्ग ने मारवाड़ी व्यापारियों के कड़े वित्तीय अनुशासन पर भी जोर दिया। पारंपरिक बही-खाता केवल हिसाब लिखने की किताब नहीं था। वह रोजाना मुनाफे, नुकसान और जिम्मेदारियों पर नजर रखने की पूरी संस्कृति थी। साथ ही, जरूरत पड़ने पर सोच-समझकर जोखिम उठाने का साहस भी था, खासकर वस्तुओं के व्यापार और सट्टे में।

सबसे बड़ी खूबी थी उनकी अनुकूलन क्षमता। मुगल दौर में मारवाड़ी वित्तदाता और साहूकार बने। अंग्रेजों के समय वे दलाल, ब्रोकर और व्यापारिक मध्यस्थ बने। बाद में उन्होंने तेजी से उद्योगों की तरफ कदम बढ़ाया। संयुक्त परिवार और आपसी भरोसे की पुरानी व्यवस्था आधुनिकता के रास्ते में रुकावट नहीं बनी। उलटे, इनसे पूंजी जुटाने, जोखिम बांटने और लंबे कारोबारी रिश्ते निभाने में मदद मिली।

भूगोल ने भी इस सफलता में अपना हिस्सा निभाया। अठारहवीं सदी में स्थानीय शासकों ने रास्ते के कर कम किए और व्यापार को बढ़ावा दिया। कपास, ऊन और मसालों से भरे काफिले इस इलाके से गुजरते थे। उन्नीसवीं सदी में रेलवे के आने से व्यापार की दुनिया बदल गई। कोलकाता और बंबई नए आकर्षण केंद्र बन गए। शेखावाटी के व्यापारी वहां पहुंचे। पहले व्यापारी और वित्तदाता के रूप में, फिर मिलों, कारखानों और बड़े औद्योगिक घरानों के मालिक के रूप में। बीसवीं सदी तक वे कपड़ा, जूट, इस्पात, सीमेंट, मोटर उद्योग और वित्त की दुनिया के बड़े खिलाड़ी बन चुके थे।

रेगिस्तान ने उन्हें चलना सिखाया, बाजार ने उन्हें विस्तार करना सिखाया। कमी एक सख्त उस्ताद थी। अनिश्चित बारिश, कीमती पानी और स्थानीय अवसरों की कमी ने लोगों को बाहर निकलने के लिए मजबूर किया। सेना की परंपरा को मजबूत करने वाला अनुशासन और धैर्य ही कारोबारियों के भी काम आया।

धर्म और सामुदायिक संस्थाओं ने भी सामाजिक रिश्तों को मजबूत रखा। रानी सती, खाटू श्यामजी और सालासर बालाजी जैसे तीर्थ आज भी आस्था के बड़े केंद्र हैं। मंडावा, नवलगढ़, फतेहपुर और रामगढ़ की रंगीन हवेलियां एक और कहानी कहती हैं। ये उन परिवारों की निशानियां हैं, जिन्होंने दूर-दराज के शहरों में दौलत कमाई, लेकिन अपने रेगिस्तान को सजाने के लिए लौट आए। शेखावाटी की कहानी को केवल जाति या व्यापार की कहानी नहीं कहा जा सकता। राजपूत समुदायों ने मजबूत सैन्य और जमींदारी परंपराएं विकसित कीं। अग्रवाल, माहेश्वरी, ओसवाल और दूसरे व्यापारी समुदायों ने शक्तिशाली कारोबारी नेटवर्क बनाए। दोनों ने देश को अलग-अलग तरह की ताकत दी; एक ने सरहदों की हिफाजत की, दूसरे ने देश की आर्थिक मांसपेशियां मजबूत कीं। एक पुरानी कहावत इस जज्बे को खूब बयान करती है; जहां बैलगाड़ी पहुंच सकती है, वहां आखिरकार मारवाड़ी भी पहुंच जाएगा। कुदरत ने इस इलाके को बहुत कम दिया था। मगर इसके लोगों ने भरोसे, साख, अनुशासन, गतिशीलता और लगातार मेहनत से मौके पैदा किए।

रेगिस्तान ने न तो जादू से अरबपति पैदा किए, न सैनिक। उसने बस ऐसे हालात पैदा किए, जिनमें संघर्ष करने की क्षमता आदत बनी ; और वही आदत, वक्त के साथ, इतिहास बन गई।

‘वंदे मातरम्’ के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की पोल खुली

डॉ. प्रवीण दाताराम

भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम का शायद ही कोई दूसरा गीत ‘वन्दे मातरम्’ जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्भट उद्घोष बनी थी।

15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित घृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दशक भर कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे उपस्थित थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् के अपमान के इस दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था।

इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि - ‘सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गे जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थी’। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनास्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है।

इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा ‘वन्दे मातरम्’ का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह ‘वन्दे मातरम्’ और ‘मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेसी प्रवृत्ति’ के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया। कांग्रेस ने इस घटना पर अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा तो भी कोई बात नहीं होती। कांग्रेस ने तो अपनी हठधर्मिता, अड़ियलपन, मति मूढ़ता की हद तो तब दिखा दी जब उसने अपनी राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी में ‘वन्दे मातरम्’ को पूर्ण रूप में नहीं गाने के लिए प्रस्ताव ही पारित कर दिया।

‘वन्दे मातरम्’ के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए। गांधी जी ने इसके समर्थन में अपनी स्पष्ट राय रखी थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की अपनी राजनैतिक कुटिलताओं और प्राथमिकताओं के चलते गांधी जी की एक न चलने दी। इतिहास यह भी है कि, यह दुखद एतिहासिक पृष्ठ रहस्यमयी भी है। रहस्य यह कि - ‘अंततः वह कौन सी कमजोर नस थी,, जिसके आधार पर नेहरू जी ऐसे निर्णय भी गांधी जी से करवा लेते थे जिनके लिए गांधी जी कभी भी तैयार नहीं थे’।

गांधी जी वंदेमातरम् विभाजन हेतु असहमत थे। गांधी जी बंग-भंग हेतु भी सहमत नहीं थे। गांधी जी ने कहा था कि ‘इस देश का विभाजन मेरी लाश पर होगा’। गांधी जी स्वतंत्रता पश्चात् कांग्रेस को विसर्जित करने हेतु भी संकल्पित थे। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता पश्चात हम एक बूँद की स्याही लेंगे और यह लिख देंगे - ‘इस देश में गौहत्या वैसा ही दंड होगा जैसा मानव हत्या के लिए होता है’। स्वच्छता, हिंदी राष्ट्रभाषा, ग्रामवासी भारत आदि हेतु भी गांधी जी प्रतिबद्ध थे। कांग्रेस ने सात दशकों की सत्ता में इन विषयों को त्याज्य रखा। ‘भारत में रामराज स्थापना’ को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया था किंतु ‘नेहरू-गांधी कांग्रेस’ मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए श्रीराम को ही कल्पना सिद्ध करने के प्रयास में लग गई। कांग्रेस स्वयं को सेकुलर सिद्ध करने के अनथक प्रयास करने लगी थी और ‘रामेश्वरम् रामसेतु’ के विध्वंस, विनाश, भंजन, खंडन हेतु मशीनें समुद्रतट पर भेज चुकी थी। ‘मुस्लिम तुष्टिकरण’ हेतु कांग्रेस ने न जाने कितने ही कांड इस देश में किया और सतत-निरंतर किए हैं। आश्चर्य और दुस्साहस का विषय यह है कि ह्यमुस्लिम तुष्टिकरण’ के लिए देश भर से लताड़े जाने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व इस बात को समझ ही नहीं रहा है। हाँ, कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता इस बात कोई समझ भी रहा है और वह कांग्रेस की ‘मुस्लिम तुष्टिकरण’ की नीति के विरोध में भी है, तब ही तो ‘कार्यकर्ता बेचारे’ ने सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में आकर यह कहा था कि ‘सोनिया जी वंदे मातरम् का गान रोक नहीं रही थी बल्कि खड़गे जी के लिए कुर्सी बुला रही थी’। ‘वन्दे मातरम्’ और ‘मुस्लिम तुष्टिकरण’ की यह कांग्रेस कार्यकर्ता की नैसर्गिक प्रतिक्रिया थी जिसे कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार करना चाहिए थे किंतु कांग्रेस ने ‘राम पथ’ को नहीं बल्कि ‘रोम पथ’ को चुना हुआ है।

26 अक्टू.- 1 नव. 1937 की कलकत्ता कांग्रेस कार्यसमिति में ‘वन्दे मातरम्’ गान के विभाजन की अनुशंसा और कुछ नहीं बल्कि एक ‘इमोशनल राष्ट्रीय ब्लैक मेल’ था। यह देश विभाजन में अपना हित देखने वाले नेताओं द्वारा निर्मित ‘ब्लैकमेल’ था। आदरणीय बंकिम बाबू ने जब भारतमाता को केवल एक भौगोलिक भू-भाग के रूप में नहीं, बल्कि साक्षात् देवी और जननी के रूप में देखा, तो उनके मानस में 'सोनार बांग्ला' और संपूर्ण भारतवर्ष का एक ऐसा दिव्य चित्र उभर आया, जिसने औपनिवेशिक दास्तां के अंधकार को चीरकर रख दिया।

विडंबना, वंचना, विसंगति, विचित्र, यह है कि जिस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों, क्रांतिकारियों और हुतात्माओं को हँसते-हँसते फाँसी के फंदों को जयमाल मान लेने की असीम शक्ति दी, उसी महान कृति को स्वतंत्रता के पश्चात राजनीति और तुष्टिकरण के बवंडर में उलझा दिया गया।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 23 अगस्त 2026 रविवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य नारायण की उपासना तथा गायत्री साधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के पात्र से जल अर्पित करने तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से जीवन में अपार आरोग्य तेज सामाजिक मान प्रतिष्ठा और प्रशासनिक सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज आपका आत्मविश्वास और पराक्रम चरम पर रहेगा जिससे कार्यक्षेत्र में आप नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। रुके हुए सरकारी कार्य गति पकड़ेंगे और वरिष्ठ अधिकारियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। सूर्य देव को अर्घ्य दें जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

वृष

आज आपको अपने वित्तीय मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अप्रमाणित योजना में पूंजी निवेश से बचना होगा। परिवार के सदस्यों के साथ वैचारिक मतभेद दूर होंगे और वातावरण सुखद बनेगा। किसी मंदिर में लाल फल दान करें जिससे आपकी सभी आर्थिक बाधाएं दूर होंगी।

मिथुन

आज आपकी तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता और प्रखर संचार शैली के बल पर व्यापारिक क्षेत्र में बड़ा लाभ संभव है। पुराने सहयोगियों से मुलाकात भविष्य के नए मार्ग खोलेगी। गायत्री मंत्र का जाप करें जिससे आपके भीतर अद्भुत सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

कर्क

आज कार्यस्थल पर अत्यधिक भागदौड़ के कारण थोड़ा

शारीरिक तनाव महसूस हो सकता है इसलिए अपने खानपान पर ध्यान दें। किसी प्रिय मित्र के माध्यम से रुका हुआ महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा। भगवान शिव का जलाभिषेक करें जिससे आपका मानसिक तनाव दूर होगा।

सिंह

आज आपकी राशि के स्वामी सूर्य देव की विशेष कृपा से समाज और राजनीति के क्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति में भारी सुधार होगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके शत्रुओं का पूर्ण विनाश होगा।

कन्या

आज व्यापार में उन्नति के नए अवसर मिलेंगे और सहकर्मियों के सहयोग से लंबित योजनाएं सफलतापूर्वक संपन्न होंगी। घर में किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा बनेगी। अनाथ आश्रम में भोजन का सहयोग करें जिससे आपके भाग्य का द्वार खुलेगा।

तुला

आज कला साहित्य और बौद्धिक गतिविधियों से जुड़े जातकों को विशेष ख्याति प्राप्त होगी। दूर स्थान की व्यापारिक यात्रा आपके लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। मां दुर्गा के मंदिर में लाल पुष्प अर्पित करें जिससे घर में समृद्धि आएगी।

वृश्चिक

आज आपको अपनी वाणी और उग्र स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा बना बनाया काम अंतिम क्षण में अटक सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों में वरिष्ठों की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें। हनुमान जी को गुड़ अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट समाप्त होंगे।

धनु

आज आध्यात्मिक कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और किसी धार्मिक स्थल की यात्रा मन को असीम शांति प्रदान करेगी। व्यापारिक साझीदारों के साथ तालमेल बहुत उत्तम रहेगा। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और सम्मान बढ़ेगा।

मकर

आज पुरानी बीमारी से राहत मिलेगी और स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार दिखाई देगा। नौकरीपेशा लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर मिलेगा। पक्षियों को गेहूं के दाने डालें जिससे आपके करियर में आ रही रुकावटें समाप्त होंगी।

कुंभ

आज विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल रहेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं में मनोनुकूल सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और एक दूसरे के प्रति विश्वास मजबूत होगा। सूर्य पुराण का पाठ करें जिससे आपके ज्ञान का विस्तार होगा।

मीन

आज भौतिक सुख सुविधाओं के संसाधनों में वृद्धि होगी और आप संपत्ति अथवा नया वाहन खरीदने की योजना बनाएंगे। पारिवारिक वातावरण अत्यंत सौहार्दपूर्ण रहेगा। बहते जल में थोड़ा सा गुड़ प्रवाहित करें जिससे आपके जीवन में निरंतर तरक्की होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन भवन के पश्चिम कोण को स्वच्छ रखकर वहां शाम के समय सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करने से घर की समस्त नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है तथा शनिदेव की कृपा से अखंड समृद्धि और सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

वृंदावन में निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग गिरी, 3 मजदूरों की मौत

एक मजदूर की हालत गंभीर, घायल को उपचार के लिए आगरा किया गया रेफर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

रुक्मणि विहार स्थित ओमैक्स के निमार्णाधीन मॉल में शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। शटरिंग गिरने से चार मजदूर दब गये जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। घटना में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसको आगरा रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू किया।

ओमेक्स द्वारा रुक्मणि विहार गोल चक्कर के पास मॉल का निर्माण कराया जा रहा है। सुबह करीब सात बजे मजदूर शटरिंग के काम में लगे हुए थे। उसी समय शटरिंग टूट कर गिर गई। उसके नीचे काम कर रहे चार मजदूर सिमरी, नेपाल निवासी 40 वर्षीय शिवराम, वेस्ट बंगाल निवासी 30 वर्षीय आलम, 21 वर्षीय रसूल और 38 वर्षीय दिलदार दब गए। मौके पर काम कर रहे अन्य मजदूर और स्टाफ ने बचाव कार्य शुरू किया। चारों को मलबे के नीचे से निकाला गया जिसमें शिवराम की मौके पर मौत हो गई जबकि रसूल और आलम को सौ शैय्या अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए एक अन्य मजदूर, पश्चिम बंगाल निवासी 45 वर्षीय दिलदार को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहद नाजुक हालत में आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है।

डीएम, एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

निरीक्षण करने के बाद डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि शटरिंग में कहीं कमी आई है जिसके चलते हादसा हुआ है जिसमें तीन की मौत हुई है और एक घायल है। कारण क्या रहे, इसकी जाँच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर बेहतर उपचार और सहायता के निर्देश दिये हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि परिवारजनों से संपर्क किया जा रहा है, उनसे जो भी तहरीर प्राप्त होगी, उसके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ई लॉटरी के माध्यम से 126 किसानों का हुआ चयन

टीएनएफ टुडे, मथुरा। उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि कृषि भवन सभागार, मथुरा में जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष ई लॉटरी का आयोजन किया गया। ई लॉटरी के दौरान लगभग 120 किसान उपस्थित थे। जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्य 165 के सापेक्ष कुल 667 किसानों द्वारा बुकिंग की गयी। ई लॉटरी के माध्यम से 126 किसानों का चयन किया गया। मौके पर ही उपस्थित कृषक श्रीमती विमलेश देवी विकास खण्ड राया के पास किसान ड्रोन में चयनित होने का सन्देश, मै. एग्मा फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड मथुरा के पास फार्म मशीनरी बैंक में चयनित होने का सन्देश तथा श्री विष्णु विकास खण्ड फरह के पास कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत 30 लाख) में चयनित होने का सन्देश प्राप्त हुआ। किसानों के ई-लॉटरी में चयनित होने से खुशी का माहौल बन गया। ई-लॉटरी प्रक्रिया में जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, प्रतिनिधि जिला उद्यान अधिकारी, प्रतिनिधि जिला गन्ना अधिकारी, मथुरा, अपर जिला कृषि अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी जिला प्रबन्धक केनरा बैंक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, प्रगतिशील कृषक अशोक शर्मा, हरिपाल सिंह, गंगाराम एवं तेजपाल सिंह अध्यक्ष स्वंय सहायता समूह फरह आदि उपस्थित रहे।

हाथरस से टैंकर में लाया गया दूध कराया नष्ट

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, राया।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के आदेश के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने राया रेलवे फाटक पर दूध से भरे टैंकर का निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन एवं नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने दूध टैंकर संख्या यूपी 86 एटी 0875 की जांच की। टैंकर चालक हेमनेस कुमार ने बताया कि टैंकर में करीब 2000 लीटर दूध गोपाल डेयरी, सिकंदराराऊ, हाथरस से लाया गया था। निरीक्षण के दौरान चालक द्वारा दूध के क्रय-विक्रय एवं भंडारण से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके।दूध की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर राया स्थित डेयरी पर टैंकर में भंडारित दूध की त्वरित जांच की गई। जांच में दूध में स्टार्च की मौजूदगी तथा फैट की मात्रा कम पाए जाने के संकेत मिले। इसके बाद दूध का नमूना संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। विभागीय टीम ने जनहित में टैंकर में शेष करीब 2000 लीटर दूध को मौके पर ही नष्ट करा दिया। नष्ट किए गए दूध की अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य सचलदल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह एवं जितेन्द्र सिंह शामिल रहे।

नगर निगम क्षेत्र में 86 करोड़ से संवरेगी सडकों की सूरत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- 90 विकास कार्यों को मिली स्वीकृति, प्रथम किस्त में 43 करोड़ रुपये अवमुक्त

नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र में 86 करोड़ रुपए सडकों पर खर्च किये जाएंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में नगर निगम मथुरा वृंदावन के विकास के लिए बड़ी सौगात प्रदान की गई है। राज्य सेक्टर योजना के अंतर्गत नवसृजित, सृजित होने वाले नगर निगमों में सड़क के पुनरोद्धार, नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण योजना के तहत नगर निगम मथुरा-वृंदावन के कुल 90 सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 86 करोड़ 13 लाख 39 हजार रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में 43 करोड़ 6 लाख 70 हजार रुपये अवमुक्त किए गए हैं। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से नगर निगम क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं सड़क सुधार के कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। नगर निगम मथुरा-वृंदावन के नगर आयुक्त ओजस्वी राज के प्रयासों तथा नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के बीच यह स्वीकृति नगर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। विशेष रूप से नवसृजित वार्डों की आवश्यकताओं को भी योजना में ध्यान में रखा गया है, जिससे इन क्षेत्रों में सड़क एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद देते हुए पार्षद राजीव कुमार सिंह एडवोकेट, पार्षद ने कहा कि इतनी बड़ी धनराशि की स्वीकृति से मथुरा-वृंदावन नगर निगम क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं पुनरोद्धार के कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित में स्वीकृत इन कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समयसीमा के अनुरूप पूर्ण कराया जाना आवश्यक है, ताकि इसका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिल सके।

जैत कट पर अज्ञात वाहन की टक्कर से कालेज छात्रा की मौत

टीएनएफ टुडे, चौमुहां। थाना जैत क्षेत्र में हाईवे पर जैत कट के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार जीएलए विश्वविद्यालय की बीबीए छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने छात्रा को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कुदी निवासी अंशुमान पुत्र पधुमननाथ तिवारी ने डायल 112 पर सूचना दी कि जैत कट के पास हादसा हो गया है। अंशुमान मृतका के भाई हैं। सूचना मिलते ही थाना जैत पुलिस मौके पर पहुंची। बताया गया कि अंशुमान की बहन अंकिता जीएलए विश्वविद्यालय में बीबीए की छात्रा थी। शुक्रवार को वह स्कूटी से ओमेक्स सिटी की ओर से जीएलए विश्वविद्यालय में कक्षा लेने जा रही थी। जैत कट के पास पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त होने के बाद मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस जांच कर रही है।घोषित कर दिया। पुलिस हादसे के बाद मौके से फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अटेवा ने निकाली तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस से डीएम कार्यालय पर निकली यात्रा
- विभिन्न विभागों के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल करने के नारे लगाते चल रहे थे

पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर अटेवा पेंशन बचाओ मंच द्वारा शुक्रवार को शिक्षक एवं कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस से डीएम कार्यालय तक निकाली गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल करो के समर्थन में नारे लगाते हुए चल रहे थे।

अटेवा के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

अटेवा जिलाध्यक्ष प्रदीपिका फौजदार ने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी अपने बुढ़ापे की सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी मनीष दयाल व डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. एसपी गौतम ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से सरकार तक शिक्षक-कर्मचारियों की आवाज पहुंचाने और पुरानी पेंशन बहाली के लिए जनसमर्थन जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम विकास अधिकारी संगठन के जिलाध्यक्ष सियाराम गौतम व उप्र पंचायती राज सफाई कर्मचारी परिषद से प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश खरे ने कहा कि पुरानी पेंशन केवल सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि कर्मचारी और उसके परिवार के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

महिला शिक्षक संघ से पूनम गर्ग व रश्मी शर्मा ने कहा कि शिक्षक-कर्मचारियों ने हमेशा देश और समाज के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाई है। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष शिवकुमार सिंह व टीएससीटी के योगराज चाहर ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली शिक्षक-कर्मचारियों की प्रमुख मांग है।

चेतना चौहान व जिला कोषाध्यक्ष राजेश कुमार सरोजने कहा कि शिक्षक-कर्मचारी अपनी मांग को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से लगातार उठाते रहेंगे। तिरंगा यात्रा में सतीश रावत,दिनेश यादव, सारिका, रेनू,डिप्लोमा डा. एसके माहौर,डा. सोनू गोयल,डा. गोपाल शर्मा,डा. योगेश शर्मा, हरेंद्र सिंह, राजेश चौधरी, सुनील सैनी, फिरोज खान, राजस्व विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी श्याम किशोर,नवाब सिंह, श्याम बाबू शिशिर पटेल, सीमा, रेनू सक्सेना आदि ने सहभागिता की।

गूगल पर डॉक्टर का नंबर खोजा, 2.75 लाख हो गये पार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- ऑनलाइन 5 रुपये की फीस भरने के बहाने साइबर ठगों ने खाते में लगाई सेंध, अस्पताल पहुंचने पर खुला फर्जीवाड़े का राज

गूगल पर डॉक्टर का फोन नंबर खोजकर ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेना एक बुजुर्ग के लिए भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने जाने-माने त्वचा रोग विशेषज्ञ (स्किन स्पेशलिस्ट) डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह का फर्जी नंबर गूगल सर्च में डाल रखा था। पीड़ित बुजुर्ग जब उस नंबर के झांसे में आए, तो अपॉइंटमेंट के नाम पर मात्र 5 रुपये का ऑनलाइन भुगतान कराने के बहाने ठगों ने उनके बैंक खाते से 2.75 लाख रुपये पार कर दिए।

पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि गत 11 तारीख को उन्हें त्वचा विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह से परामर्श लेना था। इसके लिए उन्होंने गूगल पर डॉक्टर का संपर्क नंबर सर्च किया। गूगल पर मिले नंबर पर जब उन्होंने कॉल की तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताया। जब पीड़ित ने डॉक्टर से बात कराने और नंबर (अपॉइंटमेंट) लगाने को कहा, तो जालसाज ने उन्हें व्हाट्सएप पर नाम, उम्र और तारीख भेजने को कहा। साथ ही दावा किया कि टोकन, रजिस्ट्रेशन नंबर जनरेट करने के लिए 5 रुपये की ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी। पीड़ित ने जब सवाल उठाया कि डॉक्टर की फीस 400-500 रुपये है, तो 5 रुपये किस बात के? इस पर ठग ने कहा कि यह सिर्फ ऑनलाइन नंबर लगाने की प्रक्रिया शुल्क है। इसके बाद पीड़ित से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कराई गई। थोड़ी देर बाद ठगों ने कहा, ह्लअभी सर्वर डाउन है, आपका नंबर आज नहीं लग पाया। आप 17 तारीख को सीधे अस्पताल चले जाना और वहां जाकर ह्यदिनेशह्ल का नाम ले देना। 17 तारीख को जब बुजुर्ग अस्पताल पहुंचे और वहां ह्यदिनेशह्ल नामक व्यक्ति के बारे में पूछताछ की, तो अस्पताल प्रशासन ने ऐसे किसी व्यक्ति या ऑनलाइन बुकिंग से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद जब बुजुर्ग घर लौटे, तो उनके बैंक खाते

देवी आटस गांव में छोटा हाथी और स्कूल वैन की बैटरियां चोरी

टीएनएफ टुडे, चौमुहां। थाना जैंत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव देवी आटस में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। चोरों ने बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया है, जिससे स्थानीय वाहन स्वामियों और ग्रामीणों में भारी रोष व भय का माहौल बना हुआ है। ताजा मामले में चोरों ने रात के समय खड़ी एक छोटा हाथी और एक स्कूल वैन को अपना निशाना बनाते हुए उनकी बैटरियां चोरी कर लीं। वाहन स्वामी राधे ने जानकारी देते हुए बताया कि वे आरओ प्लांट चलाते हैं। उनका छोटा हाथी वाहन प्लांट के बाहर ही खड़ा रहता है, जिससे वे आरओ के पानी की सप्लाई करते हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने प्लांट के सामने खड़ी इसी गाड़ी और कुछ ही दूरी पर खड़ी एक स्कूल वैन को अपना शिकार बनाया और दोनों वाहनों से बैटरियां चुरा ले गए। सुबह जब वाहन चालकों और मालिकों को चोरी की इस घटना की जानकारी हुई, तो मौके पर हड़कंप मच गया। कुछ दिन पूर्व भी चोर रात के समय एक घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आए थे। हालांकि, आहट होने के कारण चोर अपने मकसद में सफल नहीं हो सके, लेकिन भागते समय उन्होंने घर में मौजूद एक महिला के सिर पर किसी भारी वस्तु से गंभीर हमला कर दिया था, जिससे वह घायल हो गईं थीं।

एमवीडीए ने मानचित्र स्वीकृति की व्यवस्था में किया बदलाव

100 वर्ग मीटर तक खुद पास कर सकेंगे नक्शा, 500 वर्ग मीटर तक आर्किटेक्ट को अधिकार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- नई व्यवस्था में फास्ट पास पोर्टल से समय पर किया 75 प्रतिशत मामलों का निस्तारण

भवन निर्माण के लिए नक्शा स्वीकृत कराने को अब विकास प्राधिकरण में विभिन्न पटलों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने नक्शा स्वीकृति की पुरानी व्यवस्था को बंद कर फास्ट पास पोर्टल को पूरी तरह प्रभावी कर दिया है। इसके परिणाम भी उत्साहजनक सामने आए हैं। जुलाई में पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को निर्धारित समय सीमा में या उससे पहले स्वीकृति मिल गई।

मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि प्राधिकरण ने नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए फास्ट पास पोर्टल लागू किया है। इसकी खासियत यह है कि नक्शा स्वीकृति के साथ विभिन्न विभागों से जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया भी इसी के तहत ऑनलाइन कर दी गई है। अब आवेदक को एनओसी के लिए संबंधित विभाग के कार्यालय में पत्र लेकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। पोर्टल के माध्यम से एनओसी का अनुरोध संबंधित विभाग तक पहुंच जाएगा। उन्होंने ने बताया कि फास्ट पास पोर्टल का उद्देश्य नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज करने के साथ आवेदकों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत देना है। पोर्टल पर आवेदन की स्थिति की जानकारी भी आसानी से मिल सकेगी। इससे प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ेगी और अनावश्यक देरी की संभावना कम होगी। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि अब इस पोर्टल का परिणाम जुलाई में देखा गया। पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को निर्धारित समय में स्वीकृति मिली है।

नई व्यवस्था के तहत आवेदक को फास्ट पास पोर्टल पर नक्शे के साथ आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। इसके बाद आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन आगे बढ़ेगी।

500 वर्गमीटर तक के भूखंड पर बड़ी राहत

मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के नए बायलॉज के तहत नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को जोखिम के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। 0 से 100 वर्ग मीटर तक के भूखंडों को लो रिस्क, 100 से 500 वर्ग मीटर तक को मीडियम रिस्क और 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों को हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। लो रिस्क श्रेणी में 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय नक्शे की स्वीकृति आवेदक स्वयं पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कर सकता है। वहीं प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में 500 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखंडों के नक्शे आर्किटेक्ट के माध्यम से पोर्टल पर स्वीकृत कराए जा सकते हैं। व्यावसायिक भूखंडों के लिए यह सीमा 30 वर्ग मीटर तक निर्धारित है। इन श्रेणियों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्राधिकरण की अलग से स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी।

एनओसी के लिए भी नहीं लगाने होंगे चक्कर

फास्ट पास पोर्टल के जरिए संबंधित विभागों से एनओसी मांगने की प्रक्रिया भी होगी। आवेदन के आधार पर संबंधित विभाग के लिए एनओसी का अनुरोध पोर्टल से स्वतरू जनरेट होकर भेजा जाएगा। इससे आवेदक को अलग-अलग विभागों में जाकर पत्र जमा कराने की जरूरत नहीं होगी। एक ही व्यवस्था से नक्शा स्वीकृति, एनओसी और आवेदन की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी।

ट्रांसफार्मर को खोखला कर चोर बोरिंग में डाल गए पंपसेट

बाह। बाह क्षेत्र के बृषंगपुरा गांव के ठाकुर नरायन सिंह का निधन हो गया है। परिवार मातम में डूबा है। उनके बेटे राजेन्द्र सिंह ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार की रात नलकूप पर कोई परिजन नहीं था। मौके का फायदा उठाकर चोर ट्रांसफार्मर को खंभों से जमीन पर उतार कर खोखला कर गये। कॉपर का तार उधेड़ ले गये, तेल भी निकाल ले गये। इतना ही नहीं, नलकूप की कोठरी का ताला तोड़ कर घुसे चोर केबल काटकर स्टार्टर चोरी कर ले गये। इसके अलावा सबमर्सिबल का केबल काटकर पंपसेट बोरिंग में डाल गए। चोर लेजम-पाइप एवं अन्य सिंचाई सामग्री भी चोरी कर ले गए। शुक्रवार की सुबह पड़ोसी किसानों ने नलकूप से चोरी होने की जानकारी दी थी। मौके पर पहुंच कर चोरों की करतूत देख कर मातम में डूबे परिवार के होश उड़ गये। किसान ने बाह पुलिस से जांच एवं कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस जांच में जुटी है।

आरबीएस कालेज में संस्कृत सप्ताह समारोह आयोजित

आगरा। राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय के छात्र कल्याण भवन में संस्कृत सप्ताह समारोह का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वालन से हुई व तदनन्तर छात्र छात्राओं ने मनमोहक संस्कृतमयी प्रस्तुतियां दीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्कृत भाषा के मर्मज्ञ राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) विजय श्रीवास्तव ने संस्कृत भाषा को अनेक भाषाओं का मूल बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा समस्त विश्व के कल्याण की कामना करती है। एतदर्थ उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:' तथा ' न हि कल्याणकृत कश्चिद्दुर्गतिं तात गच्छति'आदि मनोहर श्लोकों का उद्धरण भी दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा अनेक भाषाओं की जननी है इस तथ्य को सिद्ध करते हुए उन्होंने अनेक उदाहरण भी प्रस्तुत किये व छात्र छात्राओं के द्वारा दी गई मनमोहक प्रस्तुतियों की सराहना की । कार्यक्रम में भौतिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर सिंह जी ने वैदुष्यपूर्ण उद्बोधन देते हुए छात्र छात्राओं को संस्कृत भाषा का महत्व बतलाया व महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के व्यावहारिक व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनुकांत शास्त्री जी ने संस्कृत के प्रचार प्रसार का तरीका बतलाते हुए छात्रों को संस्कृत भाषा सीखने की ओर प्रेरित किया।

मोटरसाइकिलों के साथ शक्ति प्रदर्शन

फतेहाबाद। शुक्रवार को डौकी क्षेत्र के कबीस चौराहे पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के आगरा आगमन पर कार्यकताओं ने हजारों मोटरसाइकिलों के साथ बाइक रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुकेश सहनी को सुनने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने हाथ में पवित्र गंगाजल लेकर सामूहिक संकल्प लिया कि यदि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले निषाद समाज को संवैधानिक एससी आरक्षण नहीं मिला तो समाज भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देगा। उन्होंने कहा कि यह किसी के खिलाफ हिंसा या टकराव का प्रदर्शन नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक शक्ति का प्रदर्शन है। निषाद समाज को अपने अधिकारों के लिए सरकार से सवाल पूछना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर समाज के लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गंगाजल के साथ लिया गया संकल्प केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा। उत्तर प्रदेश में गांव, घर और बूथ स्तर तक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक हरिओम निषाद, कमल किशोर निषाद, विजय निषाद, जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश निषाद, हेमराज निषाद, शैलू निषाद, जयशंकर निषाद, रामवीर निषाद, धर्मेश राठौर, गोकुल प्रसाद, मोहन निषाद, हरीश निषाद, राममूर्ति निषाद, प्रताप सिंह निषाद, धनभान निषाद, अनिल निषाद, मदन गोपाल निषाद, नगीन निषाद, रामवीर सिंह निषाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में वाटर कूलर का लोकार्पण

किरावली। अनार देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय किरावली में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रवीना सिंह द्वारा लगवाए गए वाटर कूलर का लोकार्पण शुक्रवार को चेयरमैन प्रतिनिधि अभिजीत सिंह इंदौलिया ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दुर्ग सिंह ने कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा विद्यालय में वाटर कूलर लगवाना सराहनीय एवं नेक कार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यालय समाज के सहयोग से संचालित होता है और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उठाया गया यह कदम प्रशंसनीय है। नगर पंचायत क्षेत्र में भी विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं और आगे भी विकास कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रपाल सिंह ने किया, जबकि आभार सभासद रामनरेश इंदौलिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मनोनीत सभासद पवन इंदौलिया, सभासद गुलाबो देवी, रिहाना बेगम, गीतम सिंह, लाल बहादुर, विनोद कुमार, रतन सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक राजवीर सिंह इंदौलिया, विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष आरके इंदौलिया, समाजसेवी गंगाराम माहौर, पूर्व सभासद सुंदर लाल बंसल, प्रबंध समिति से कमलेश कुमार गोयल, गोर्धन प्रसाद सिंघल, श्याम हरि शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पक्के पुल पर सीढ़ियां लगाने का काम तेज

पिनाहट। मध्यप्रदेश की ओर चलने वाले दोनों स्टीमर करीब 6 दिन बंद है। जिससे आवागमन नहीं होने से लाखों लोगों को परेशान हैं। वहीं पक्के पुल पर सीढ़ियां लगाने का काम तो तेजी से शुरू हो चुका है। किन्तु इस पुल पर भीड़ काम नहीं करने दे रही है। कर्मचारी पुलिस सुरक्षा मांग रहे है। किन्तु पुलिस सुननें को तैयार नहीं है। 16 अगस्त को बाह के कैजरा घाट से मध्यप्रदेश की ओर चलने वाला स्टीमर सवारियों सहित नदी के बीचोंबीच डीजल खत्म होने से बह गया था। जिसके बाद से दोनों घाट पिनाहट और कैजरा के स्टीमर मध्यप्रदेश प्रशासन ने बंद करा दिए हैं। अधिकारियों के बातचीत के बाद भी मध्यप्रदेश प्रशासन स्टीमर चलाने को तैयार नहीं है। वहीं मुरैना जिलाधिकारी के आदेश के बाद लोगों की परेशानी को देखते हुए पिनाहट चंबल नदी घाट पर बन रहे पक्के पुल के यूपी सीमा में एप्रोच मार्ग पर मिट्टी डालकर सीढियां लगाने का काम चल रहा है। शुक्रवार को दिनभर बड़े बड़े ट्रकों से मिट्टी डालती रही । साथ ही लोहे की सीढ़ियां बनाने का काम भी कर्मचारियों द्वारा शुरू कर दिया गया है। जमीन से पुल की ऊंचाई करीब पचास फीट है। करीब बीस फीट तक मिटटी डालने से बाद तीस फीट तक सीढियां बनाई जाएगी। सीढियां का निर्माण करा रहे कर्मचारियों का कहना है। कि स्टीमर बंद होने के कारण यहां लोगों की जबरन आकर कूदने की कोशिश कर रहे है। कोई रस्सी लेकर आ रहा है। रोकने पर मारपीट गाली गलौज करने लगते हैं। इंजीनियर मुकेश कुमार ने बताया कि कई बार महुआ पुलिस से शिकायत की जा चुकी है। लेकिन हमारा कोई सहयोग नहीं कर रही है।

एसएन इमरजेंसी में छत का प्लास्टर गिरा

बच्चे को आई मामूली चोट, दूसरे वार्ड में शिफ्ट कराया

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी स्थित बाल रोग विभाग में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वार्ड की छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर नीचे गिर पड़ा। हादसे के समय वार्ड में बच्चे भर्ती थे। अचानक प्लास्टर गिरने से मरीजों और तीमारदारों में दहशत फैल गई। हादसे में एक बच्चे को मामूली खरोंच आने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों और तीमारदारों ने तत्काल बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कवायद शुरू की। सुरक्षा को देखते हुए वार्ड में भर्ती सभी बच्चों को तत्काल दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। इस दौरान कुछ देर के लिए अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। छत का प्लास्टर गिरने की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्षतिग्रस्त हिस्से को खाली कराने के बाद उसकी मरम्मत का काम शुरू करा दिया है। संबंधित कर्मचारियों को क्षतिग्रस्त छत और आसपास के हिस्से की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दोबारा इस तरह की घटना न हो। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि वार्ड के एक कोने का प्लास्टर गिर गया था। इससे किसी भी मरीज को हानि नहीं हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है और क्षतिग्रस्त छत को सही कराने का काम प्रारंभ करा दिया गया है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल का करहल में भव्य स्वागत, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने की अगवानी

टीएनएफ टुडे, करहल।

उत्तर प्रदेश और जापान के बीच औद्योगिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारत आए 240 सदस्यीय उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल का बृहस्पतिवार देर शाम करहल क्षेत्र में स्वागत किया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के रास्ते लखनऊ जा रहे प्रतिनिधिमंडल का काफिला कुर्रा थाना क्षेत्र के मंडी हविलिया कट स्थित फूड प्लाजा पर कुछ देर के लिए रुका। यहां प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने जलपान किया।

प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी एवं उप-गवर्नर जुनिची इशिदेरा की अगवानी करते हुए उनका स्वागत किया।

इस दौरान भारतीय एवं जापानी प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। पर्यटन मंत्री ने जापानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थलों और प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर चर्चा की।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भारत और जापान के बीच लंबे समय से मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उत्तर प्रदेश में पर्यटन, उद्योग, संस्कृति और निवेश के क्षेत्र में जापान के साथ सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। जापानी प्रतिनिधिमंडल का उत्तर प्रदेश में स्वागत हमारे लिए गौरव की बात है। ऐसे प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से दोनों देशों के बीच आपसी संबंध और मजबूत होंगे तथा पर्यटन एवं औद्योगिक क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार कर रही है। जापान जैसे मित्र देश के साथ सहभागिता से प्रदेश में रोजगार और विकास के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

जलपान एवं स्वागत कार्यक्रम के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल का काफिला निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लखनऊ के लिए रवाना हो गया। प्रतिनिधिमंडल के आगमन को लेकर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं।

इस दौरान एसडीएम सुनिष्ठा सिंह, क्षेत्राधिकारी अजय सिंह चौहान, रविनीश यादव, अवनीश यादव समेत तमाम लोग रहे मौजूद।

कंचनपुर पहुंची संत रविदास की पावन माटी युक्त कलश वंदन यात्रा

टीएनएफ टुडे, करहल।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पावन माटी से युक्त कलश वंदन यात्रा शुक्रवार को कंचनपुर गांव पहुंची। यात्रा के गांव पहुंचने पर महिलाओं एवं ग्रामीणों ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ पावन कलश का स्वागत किया।

इसके बाद कलश को गांव स्थित ब्रह्मदेव महाराज मंदिर ले जाया गया। यहां महिलाओं और ग्रामीणों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर संत रविदास महाराज को नमन किया।

इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने संत रविदास महाराज के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कलश वंदन यात्रा के वाहन पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान का संदेश अंकित था। यात्रा का उद्देश्य संत रविदास महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में समानता, सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है।

ग्रामीणों ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज को एकता, समानता और मानवता का संदेश दिया। उनकी पावन जन्मस्थली की मिट्टी से युक्त कलश का गांव में पहुंचना सभी के लिए श्रद्धा और गौरव का विषय है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे। यात्रा के पहुंचने से गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया।

सीर गोवर्धनपुर की पावन माटी युक्त कलश बंधन यात्रा का मोटामल धाम में स्वागत

करहल। संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पावन माटी युक्त कलश बंधन यात्रा भाजपा कार्यालय मैनपुरी से होते हुए प्राचीन सिद्धि पीठ हनुमान मंदिर मोटामल धाम करहल पहुंची। यहां कलश बंधन यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर हिन्दू सेना के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय राम यादव, पूर्व सभासद जवाहरलाल कश्यप, राजू अवस्थी तथा मोटामल मंदिर के पुजारी पंडित विनोद चतुर्वेदी सहित अन्य लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। पावन माटी युक्त कलश के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज में समानता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुटता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। कलश बंधन यात्रा के पहुंचने से मोटामल धाम में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

बतखों ने नष्ट की धान की फसल, किसान ने जनसुनवाई पोर्टल पर की शिकायत

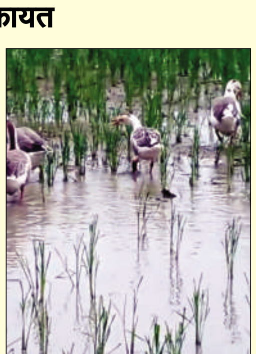

करहल। तहसील क्षेत्र के ग्राम जोंथरी निवासी किसान राहुल यादव ने खेत में खड़ी धान की फसल को बतखों द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने की शिकायत जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई है। किसान का आरोप है कि खेत के पास स्थित तालाब में रहने वाली बतखें आए दिन उसके खेत में पहुंचकर धान की फसल को नुकसान पहुंचा रही हैं। किसान राहुल यादव के अनुसार, बतखों ने अब तक करीब दो बीघा धान की फसल उखाड़कर नष्ट कर दी है। इससे उसे काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसान का कहना है कि लगातार बतखों के खेत में आने से बची हुई धान की फसल को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। किसान ने बताया कि उसने समस्या के समाधान के लिए जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है। किसान का कहना है कि यदि समय रहते बतखों को खेत में आने से नहीं रोका गया तो उसकी शेष फसल भी बर्बाद हो सकती है। उसने प्रशासन से मौके पर जांच कराकर फसल को हो रहे नुकसान से बचाने की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित कोचिंग सेण्टर का किया निरीक्षण

शिकोहाबाद। डीएम सन्तोष कुमार शर्मा ने नारायण डिग्री कॉलेज में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित नि:शुल्क कोचिंग सेण्टर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस योजना के तहत प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र-छात्राऐं यहां जानकारी हासिल कर अपने को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कामयाबी हासिल कर सकें । जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान यहां कि शैक्षणिक व्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं और वातावरण का जायजा लिया । जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से सीधा सम्वाद किया। विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों और कैरियर के विकल्पों पर चर्चा की, ताकि वह सही दिशा चुन सके। उन्होने युवाओं को किसी भी प्रकार के भटकाव से बचकर अपनी पढ़ाई और कैरियर पर ध्यान देने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने वहां पर स्थित डिजिटल बोर्ड, अध्ययन सामग्री और विषयवार पाठ्यक्रम की प्रगति का जायजा लिया, ताकि छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर माहौल मिल सके। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी राजेश कुमार शुक्ला भी मौजूद रहे ।

ई-लॉटरी से 62 किसानों का कृषि यंत्रों के लिए चयन

फिरोजाबाद। कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू क्रॉप रेजीड्यू योजनाओं के तहत अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन बुकिंग करने वाले किसानों में से लाभार्थियों का चयन शुक्रवार को ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। ई-लॉटरी की प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के समक्ष पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। इस दौरान ऑनलाइन बुकिंग करने वाले किसान भी उपस्थित रहे। ई-लॉटरी के माध्यम से विभिन्न कृषि यंत्रों के लिए कुल 62 किसानों का चयन किया गया। चयनित किसानों में पुष्पेंद्र कुमार का विकास कस्टम हायरिंग सेंटर (30 लाख रुपये), विकासखंड अरांव, रामगोपाल का कस्टम हायरिंग सेंटर (10 लाख रुपये), विकासखंड एका, कुंवरपाल का कृषि ड्रोन, विकासखंड एका तथा अवनीश कुमार का कृषि यंत्र ऑयल मिल विद फिल्टर प्रेस, विकासखंड शिकोहाबाद सहित अन्य किसान शामिल हैं। चयनित किसानों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से चयन की सूचना उपलब्ध कराई गई। चयनित किसानों द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित कृषि यंत्र क्रय किए जाने के बाद नियमानुसार अनुदान की धनराशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। ई-लॉटरी प्रक्रिया के दौरान उप कृषि निदेशक सत्येंद्र प्रताप सिंह, कृषि विभाग के कर्मचारी एवं संबंधित किसान मौजूद रहे। उप कृषि निदेशक ने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराने का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ना, कृषि कार्यों को सुगम बनाना तथा कृषि लागत को कम करना है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कृषि यंत्रीकरण योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

स्वर्णकार समाज ने समस्याओं के समाधान को लेकर सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, करहल।

राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के पदाधिकारियों एवं स्वर्णकार समाज के लोगों ने सरार्फा कारोबारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणी त्रिपाठी एवं करहल एसडीएम सुनिष्ठा सिंह को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से स्वर्णकार समाज के लोगों ने स्वर्ण कला बोर्ड का गठन करने, साहूकारी (मनी लेंडिंग) लाइसेंस की व्यवस्था पुनः लागू करने, सरार्फा कारोबारियों को शस्त्र लाइसेंस में प्राथमिकता देने तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत स्वर्णकारों एवं कारीगरों को ऋण उपलब्ध

कराने की मांग की। इसके अलावा सरार्फा कारोबारियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार गोल्ड लोन की सुविधा उपलब्ध कराने, लूट, चोरी, हत्या एवं उठाईगीरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसी घटनाओं में पीड़ित स्वर्णकारों और उनके आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता एवं न्याय दिलाने की मांग भी की गई।

इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष व पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी सचिन वर्मा छोटू ने कहा कि स्वर्णकार समाज के लोग लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की

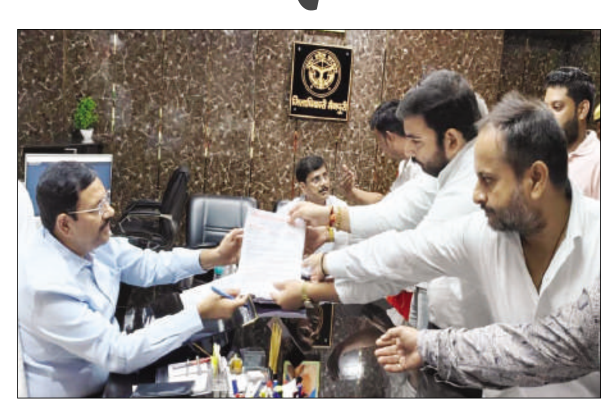

मांग कर रहे हैं। सरार्फा कारोबारियों की सुरक्षा और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। स्वर्णकार समाज को उम्मीद है कि शासन-प्रशासन ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगा।

इस दौरान सचिन वर्मा छोटू, सर्वेश वर्मा, अखिलेश कुमार राजू सर्राफ, सुनील वर्मा, मनोज वर्मा टिंकू, राजीव वर्मा टिंकू, नीतिन वर्मा, संजीव वर्मा, ब्रम्हानंद वर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जनकल्याण महिला समिति के कार्यक्रम में तीज क्वीन बनीं दीप्ति

शिकोहाबाद। जनकल्याण महिला समिति की महिला सदस्यों ने स्टेशन रोड स्थित होटल नेह अतिथि आतिथ्य गृह में हरियाली तीज का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया । जिसमें समिति से जुड़ी इन महिलाओं ने भक्ति, धार्मिक गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर चार चाँद लगा दिए । महिलाओं ने खेल प्रतियोगिता में भी बढ़ चढ़कर प्रतिभागिता की । इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्षा अग्रवाल ने की। इस अवसर पर कहा गया कि तीज महोत्सव हमें एकजुटता, धार्मिक गुणों से परिपूर्ण करता है। हरियाली तीज भगवान शिव शक्ति को समर्पित है। इस अवसर पर दीप्ती गुप्ता ने हरियाली तीज की क्वीन का खिताब जीता। इस अवसर पर समिति की पदाधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर गुंजन, रानी मित्तल, सोनिया, मोनिका, निधि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, स्वीटी मित्तल, गौरी अग्रवाल, राधा, आभा अग्रवाल, मीनू गोयल, अर्चना, अंजली, रीना, रोली, वीना, रीता पांडे, नेहा दत्ता, बिन्नी वर्मा, चांदनी, शेफाली, प्रिया तोमर, मोहिनी, शिल्पी आदि मौजूद रहीं।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शिक्षकों ने जिला मुख्यालय पर निकाली तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे, शिकोहाबाद।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के आह्वान पर आज शुक्रवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में शिक्षकों, कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य सरकार का ध्यान पुरानी पेंशन योजना की पुनः बहाली की ओर आकर्षित करना था। कार्यक्रम में सभी संगठनों द्वारा एक मंच पर आकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि एक सरकारी कर्मचारी अपना पूरा जीवन देश और समाज के निर्माण में समर्पित कर देता है।सरकार को पुरानी पेंशन बहाल करनी चाहिए। जिलाध्यक्ष अटेवा धर्मेन्द्र कुमार कृष्णज ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों का अधिकार है और जब तक इसे बहाल नहीं किया जाता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

जिला महामंत्री डॉ सहदेव सिंह चौहान ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के भविष्य को देखते हुए पुरानी पेंशन जल्द से जल्द बहाल कर देनी चाहिए । पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे की लाठी है। कहा गया कि एक विधायक पुरानी पेंशन ले सकते है लेकिन शिक्षकों , कर्मचारियों को पेंशन नहीं दी जाती यह कहां का न्याय है ? । इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ कमल यादव, जिलाध्यक्ष डॉ वी एन सिंह, जिला अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ संजय सिंह, गौरीशंकर बिंद, जयकुमार सिंह, विकास यादव, शिवम उपाध्याय, चंदन यादव, करतार सिंह, राज बहादुर, अमर दीप शर्मा, संजीव यादव, सुशील राजपूत, के के यादव, अवधेश यादव, यतेंद्र यादव, शैलेंद्र सिंह, सुभाष यादव, धर्मेंद्र सिंह, राधेश्याम यादव, अविनाश यादव, संदीप राठौर, मिथिलेश गोला, गीता, सारिका जैन, राजू सिंह कुशवाहा, संजय यादव, अभय दुबे, प्रेमवीर सिंह, अनिल कुमार सिंह, दिनेश यादव, दिलीप जाटव, भुवनेश चंद्र, उमाशंकर, शमसुद्दीन, अमित कुमार आदि थे।

करहल में विधायक तेज प्रताप यादव ने किया ताबड़तोड़ जनसंपर्क, अपने प्रियजनों से की मुलाकात

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक तेज प्रताप यादव ने शुक्रवार को क्षेत्र में ताबड़तोड़ जनसंपर्क कर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने प्रियजनों एवं परिचितों के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। विधायक के पहुंचने पर लोगों ने उनका स्वागत किया तथा विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

जनसंपर्क के दौरान विधायक तेज प्रताप यादव ने कहा कि सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़ा होना ही सामाजिक और राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सम्मान देने से ही सम्मान की प्राप्ति होती है। हमारे समाज और संगठन के जिन लोगों ने अपना पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने में लगाया और आज हमारे बीच नहीं

हैं, उनकी कमी हमेशा महसूस होती रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने पुराने कार्यकताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों के योगदान को कभी भुला नहीं सकती।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता से उनका पारिवारिक रिश्ता है और वह हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े रहने का प्रयास करते हैं। जनसंपर्क का उद्देश्य केवल राजनीतिक गतिविधियां नहीं, बल्कि लोगों से आत्मीय संबंध बनाए रखना और उनकी समस्याओं को समझना भी है।

उन्होंने कहा कि करहल की जनता ने हमेशा समाजवादी पार्टी और उन्हें अपना स्नेह एवं आशीर्वाद दिया है, जिसके लिए वह सदैव जनता के आभारी रहेंगे।

इस दौरान विधायक तेज प्रताप यादव ने एक प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ भी किया। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए प्रतिष्ठानों के खुलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है। उन्होंने प्रतिष्ठान की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक के जनसंपर्क के दौरान कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। कई स्थानों पर लोगों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याएं भी बताईं। विधायक ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और यथासंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस मौके पर पूर्व विधायक अनिल यादव, चेयरमैन अब्दुल नईम, पूर्व सभासद आजम खां, ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजकुमार यादव, जिला सचिव सनी यादव, सपा नेता मनोज यादव, पूर्व प्रधान संजू यादव, सभासद प्रत्याशी गौरव यादव, बिते यादव, खालिद अख्तर, अफजाल मेम्बर, जयंत यादव छोटू, सपा नेता महेश बाबू, पूर्व सभासद हरिओम तिवारी, धरणीधर जैन, दीपेश जैन सुमेरु, नेम सिंह यादव, आसिफ, गुलजार अहमद सहित बड़ी संख्या में समर्थक एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डीएम ने दो स्कूलों का किया औचक निरीक्षण, शिक्षण और सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शिकोहाबाद क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा एवं प्राथमिक विद्यालय बिदरखा का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, मिड-डे मील, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके शैक्षणिक एवं सामान्य ज्ञान के स्तर को परखा।

उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा में डीएम ने कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों से सवाल

पूछे। छोटे बच्चों से रंगों और जानवरों के नाम पूछे, जबकि कक्षा सात और आठ के विद्यार्थियों से महापुरुषों के चित्रों के संबंध में प्रश्न किए। बच्चों की सीखने की उत्सुकता और जागरूकता पर उन्होंने प्रसन्नता जताई।

विद्यालय में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का प्रयोग मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए इसके पूर्ण प्रतिबंध और कपड़े के थैलों के प्रयोग के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया। किचन और मिड-डे मील के लिए रखे चावल व अन्य राशन की गुणवत्ता सही मिली। विद्यालय में 249 विद्यार्थियों के सापेक्ष 224 विद्यार्थी उपस्थित मिले, जबकि 16 शिक्षक कार्यरत हैं। डीएम ने प्रधानाध्यापक को बच्चों की प्रतिभा निखारने और शिक्षण के नए तरीके अपनाने के निर्देश दिए।

इसके बाद प्राथमिक विद्यालय बिदरखा पहुंचे जिलाधिकारी को कुछ व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलीं। कक्षा पांच में प्रशिक्षु शिक्षिका दीप्ति का शिक्षण स्तर असंतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता में कमी से बच्चों के भविष्य के साथ न्याय नहीं हो रहा है।

विद्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। किचन में अग्निशमन यंत्र लगा मिला, लेकिन स्टाफ को उसके प्रयोग की जानकारी नहीं थी। इस पर डीएम ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़वाईं तथा गणित और सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर उनकी शैक्षणिक स्थिति जानी। उन्होंने शौचालय समेत विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। यहां 78 नामांकित विद्यार्थियों में से 62 उपस्थित मिले।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंगा का जलस्तर बढ़ा तो फिर बढ़ने लगी ग्रामीणों की धड़कनें

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पटियाली।

- पानी में डूबे गांवों में लौटने लगी चिंता
- नगला खना में कटान ने बढ़ाई दहशत

गंगा के जलस्तर में शुक्रवार को फिर बढ़ोतरी ने तटीय गांवों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले बीस दिनों से बाढ़ के पानी के बीच जिंदगी गुजार रहे ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जलस्तर घटने के साथ हालात सामान्य होंगे, लेकिन पानी बढ़ते ही उनका सुकून फिर छिन गया। नगला खना में कटान की स्थिति से ग्रामीणो की चिंता और बढ़ा दी है। गंगा का बढ़ता पानी देखकर तटीय गांवों में रहने वाले लोग लगातार जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं।

मूंजखेड़ा, नगला दुर्जन, नगला नरपत, नगला खना, नगला पदम, नगला जयकिशन समेत कई गांवों में पिछले दिनों से बाढ़ का पानी लोगों की मुश्किलें बढ़ाए हुए है। खेतों में पानी भरा होने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न है। वही जलस्तर बढ़ने से किसानों को अब नुकसान और बढ़ने की आशंका सताने लगी है। वैसे भी गांवों के कई संपर्क मार्ग पानी में डूबे हैं। कहीं सड़क दिखाई नहीं देती तो कहीं पानी के बीच से ही ग्रामीणों को गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में नाव ग्रामीणों के लिए सिर्फ आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जरूरत के समय जीवनरेखा बनी हुई है। बच्चों को स्कूल भेजने, बीमार को उपचार के लिए ले जाने, जरूरी सामान लाने और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करने तक में ग्रामीणों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा चिंता नगला खना को लेकर है, जहां गंगा के बढ़ते पानी के साथ कटान की स्थिति बनने लगी है। पानी का बहाव और कटती जमीन देखकर ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गई हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि जलस्तर और बढ़ा तो कटान का दायरा भी बढ़ सकता है। उनका कहना है कि बाढ़ का पानी कुछ दिन की परेशानी है, लेकिन कटान बढ़ा तो घर, खेत और जमीन सब कुछ खतरे में आ सकता है।

वहीं सुन्नगढ़ी क्षेत्र के गंगा तटीय इलाकों में भी जलस्तर बढ़ने का असर दिखाई दे रहा है। यहां भी ग्रामीण खेतों में भरे पानी और प्रभावित रास्तों के कारण परेशान हैं। पानी बढ़ने के साथ लोगों की चिंता भी बढ़ रही है। हर बढ़ती लहर उन्हें आने वाले खतरे का एहसास करा रही है।

ग्रामीण उर्वेश यादव का कहना है कि बाढ़ का पानी उतरने की उम्मीद जगी थी, लेकिन गंगा का जलस्तर फिर बढ़ने से चिंता लौट आई है। हर साल बरसात में यही गांव बाढ़ और कटान की मार झेलते हैं।

नगला हंसी से राजेपुर कुर्रा तक स्थायी बांध नहीं होने के कारण ग्रामीणों को बार-बार इसी संकट का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की मांग है कि बाढ़ से निपटने के लिए स्थायी समाधान किया जाए, ताकि हर साल गंगा का जलस्तर बढ़ते ही उनके घरों में डर और खेतों में चिंता का पानी न भर जाए। वही प्रशासन भी गंगा के जलस्तर और तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पेंशन बहाली की मांग को लेकर अटेवा ने किया प्रदर्शन

तिरंगा यात्रा निकाल जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- सरकार से पेंशन की पुरानी व्यवस्था बहाल किए जाने की मांग

शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय में सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा निकालते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। और सरकार से पेंशन की पुरानी व्यवस्था को लागू किए जाने की मांग की

शिक्षक कर्मचारी अधिकारी एक लंबे अरसे से पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन कर रहे हैं और सरकार से अपने बुढ़ापे की लाठी की मांग कर रहे हैं अब तक कोई सकारात्मक निर्णय न होने के कारण कर्मचारी अपने भविष्य को लेकर आशंकित हैं।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अटेवा संगठन के बैनर तले सैकड़ों शिक्षक कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा निकालकर जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा है।

सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की, प्रदर्शनकारियों ने नारे बाजी भी की।

इस कार्यक्रम के दौरान अटेवा कासगंज के जिलाध्यक्ष योगेश यादव,रतन प्रकाश, दिलीप यादव,सत्य नारायन,प्रदीप यादव बैनीराम,सुरेंद्र कुमार, सहित हजारों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरी सतरंगी छटा, उपमा वार्ष्णेय बनीं तीज क्वीन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

अखिल भारतीय वार्ष्णेय वैलफेयर एसोसिएशन के महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर तीज उत्सव की खुशियां साझा कीं और विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने तीज के पारंपरिक रंग, गीत-संगीत और आपसी मेलजोल का आनंद लिया। महिलाओं की सहभागिता देखते ही बनी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपमा वार्ष्णेय को तीज क्वीन का खिताब प्रदान किया गया।

महिला प्रकोष्ठ की सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन महिलाओं को अपनी परंपराओं एवं संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ आपसी स्नेह, सौहार्द और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। हरियाली तीज महोत्सव ने महिलाओं में उत्साह और उमंग का संचार किया और कार्यक्रम यादगार बन गया।

इस अवसर पर डिंपल वार्ष्णेय, श्वेता वार्ष्णेय, कल्पना वार्ष्णेय, रेणु वार्ष्णेय, मधु वार्ष्णेय, कुसुम वार्ष्णेय, प्रियांशी वार्ष्णेय, प्रीति वार्ष्णेय, हिमानी वार्ष्णेय, सुनीता वार्ष्णेय, अर्चना वार्ष्णेय, इंद्रा वार्ष्णेय, राखी वार्ष्णेय, नेहा वार्ष्णेय, उपमा वार्ष्णेय, कीर्ति वार्ष्णेय, बीना वार्ष्णेय, आरती वार्ष्णेय, मंजु वार्ष्णेय, शिखा वार्ष्णेय, नीलम वार्ष्णेय, संगीता वार्ष्णेय, ईशा वार्ष्णेय, आशु वार्ष्णेय, साधना वार्ष्णेय, लक्ष्मी वार्ष्णेय, चित्रा वार्ष्णेय, अंजू वार्ष्णेय, पूजा वार्ष्णेय सहित अन्य महिला सदस्य मौजूद रहीं।

अमृत सरोवर का ख्वाब दिखाया, तीन साल में भी तालाब नहीं सजाया

उदित विजयवर्गीय

- पिकनिक स्पॉट, पाथ-वे, लाइटिंग और हरियाली की थी तैयारी
- लंबी कवायद के बाद भी तालाब को नहीं मिल सका प्रस्तावित स्वरूप

टीएनएफ टुडे,गंजडुंडवारा। कस्बे के कादरगंज रोड स्थित प्राचीन तालाब के कायाकल्प का सपना तीन साल बाद भी अधूरा है। जबकि अमृत योजना 2.0 के तहत करीब 1.98 करोड़ रुपये की लागत से तालाब को एक वर्ष मे अमृत सरोवर के रूप में विकसित करने की स्वीकृत योजना पर कार्यदायी संस्था ने काम शुरू किया था। उद्देश्य था कि तालाब को जल संरक्षण के साथ कस्बावासियों के लिए खूबसूरत पिकनिक स्पॉट और सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाए, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी काम पूरा नहीं हो सका है। इससे परियोजना का निर्धारित स्वरूप अब तक धरातल पर नहीं उतर पाया है।

योजना के तहत तालाब की सफाई और खुदाई कर उसकी गहराई बढ़ाने, चारों ओर पक्की चारदीवारी और पथ-वे बनाने, प्रकाश व्यवस्था, बैठने के स्थान और हरियाली विकसित करने की तैयारी थी। इससे तालाब का सौंदर्य बढ़ने के साथ बारिश के पानी के संरक्षण और भूगर्भ जलस्तर में सुधार की भी उम्मीद थी। योजना शुरू होने के बाद नगरवासियों को उम्मीद जगी थी कि लंबे समय से उपेक्षित तालाब जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगा। शुरूआत में तालाब में जमा कूड़ा और गंदगी हटाने के लिए जेसीबी से सफाई कार्य कराया गया। इसके बाद परियोजना के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन समय गुजरता गया और काम अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सका। इस दौरान तालाब फिर कूड़े का अड्डा बन गया।

हालांकि सावन माह शुरू होने से पहले तालाब में जमा कूड़ा उठा लिया गया, लेकिन अमृत सरोवर का प्रस्तावित स्वरूप अब भी आकार नहीं ले सका है। करीब तीन वर्ष बाद भी परियोजना अधूरी होने से इसकी कार्यप्रणाली और समयबद्धता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

वैसे अमृत सरोवर के रूप में विकसित होने के बाद यहां सुबह-शाम टहलने, बैठने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए बेहतर माहौल तैयार होना था। पाथ-वे, लाइटिंग, हरियाली और अन्य सुविधाओं से तालाब नगर के आकर्षण का केंद्र बन सकता था। जल संरक्षण की दृष्टि से भी परियोजना को महत्वपूर्ण माना गया था। अब नगरवासियों को इंतजार है कि तीन साल से अधर में पड़ी करीब 1.98 करोड़ रुपये की योजना कब पूरी होगी और तालाब को उसका प्रस्तावित अमृत स्वरूप कब मिल सकेगा।

वर्जन:-

अमृत सरोवर निर्माण कार्य एक वर्ष की अवधि में पूर्ण किया जाना था, लेकिन जमीन विवाद के चलते समय बर्बाद हुआ और अभी तक योजना पूर्ण न हो सकी। संबंधित कार्यदायी संस्था को तीव्रता एवं गुणवत्ता के साथ योजना पूर्ण करने के लिए लगातार नोटिस दिए जा रहे हैं।

-हेमंत कुमार, जेई, निर्माण

विद्युत विजिलेंस ने बिजली चोरी रोकने को चलाया अभियान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अमांपुर कस्बे में विधुत विभाग एवं विजिलेंस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को बिजली चोरी रोकने के लिए जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिजली का चोरी कर प्रयोग कर रहे लोग चिह्नित किए गए। इनके विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी है।बिजली विभाग की इस कार्यवाही से चोरों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान अमांपुर कस्बे के शास्त्री नगर में कटिया डालकर चांद पुत्र नबी हसन, ईद मोहम्मद पुत्र शंभू, रूबी पत्नी असगर को बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। वहीं बड़े बकाएदारों के कनेक्शन काटकर बिल जमा करने की चेतावनी दी गई। एक्सईएन पीयूष कुशवाह के दिशा-निर्देश पर एसडीओ गौरव शर्मा संग जेई रामजीत राम ने विजिलेंस टीम के साथ नगर में चेकिंग अभियान चलाया। एसडीओ गौरव शर्मा ने बताया कि अभियान लगातार जारी रहेगा। बिजली चोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जेई रामजीत राम ने बताया कि ट्रांसफार्मरों पर बढ़ रहे ओवरलोड की वजह से बार-बार फॉल्ट और ट्रिपिंग की समस्या हो रही थी। आम जनता को घंटों तक बिजली कटौती झेलनी पड़ रही थी। जिसको लेकर चेकिंग अभियान चलाया गया।

पाल नगर में मकान का ताला तोड़कर इनवर्टर, बैटरी व सूटकेस चोरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

पाल नगर स्थित एक मकान का ताला तोड़कर चोर इनवर्टर, बैटरी और कपड़ों व जरूरी कागजात से भरा सूटकेस चोरी कर ले गए। पीड़ित ने कोतवाली कासगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम छावनी निवासी अनिल कुमार पाल नगर स्थित अपने मकान में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त की रात करीब 10 बजे मकान में ताला लगाकर गांव चले गए थे। 20 अगस्त की सुबह वापस लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो एक इनवर्टर, बैटरी और कपड़ों व जरूरी कागजात से भरा सूटकेस गायब था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी की तत्परता से जलेसर डिपो परियोजना को मिली गति

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- ग्राम गुदाऊ में डीजल टैंक डिपो स्थापना हेतु जारी हुआ अनापत्ति प्रमाण पत्र
- विभागीय समन्वय से लोकहितकारी परियोजनाओं की फाइलों का त्वरित निस्तारण

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह द्वारा जनपद में औद्योगिक एवं लोक हितकारी परियोजनाओं को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विभागीय समन्वय के साथ आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्रों एवं अनुमतियों के त्वरित निस्तारण की कार्यवाही निरंतर सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में जलेसर डिपो हेतु ग्राम गुदाऊ, तहसील जलेसर में डीजल टैंक डिपो स्थापित किए जाने के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए थे।

प्रकरण में अधिशासी अभियंता, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत वितरण खंड जलेसर, उप जिलाधिकारी जलेसर, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड-एक, लोक निर्माण विभाग एटा, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत एटा तथा सहायक निदेशक, विद्युत सुरक्षा, एटा जोन से आवश्यक अनापत्ति एवं आख्या प्राप्त किए जाने के उपरांत रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को डीजल टैंक डिपो स्थापित किए जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया गया है।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में प्रस्तावित विकास एवं लोक हितकारी परियोजनाओं से संबंधित प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक आख्या एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराएं।

जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने एवं विभागीय औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण कर फाइलों का त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, ताकि जनपद में औद्योगिक, विकासात्मक एवं जनहित से जुड़ी परियोजनाएं शीघ्र धरातल पर उतर सकें और आमजन को उनका लाभ समय से प्राप्त हो सके।

स्क्रीन टाइम से स्मार्ट टाइम की ओर, ‌ह्यपंखह्न पहल से बच्चों को कागज-कलम से जोड़ रही पुलिस

हाथरस। पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में ह्लपंख स्नेल लेटर राइटिंगह्व पहल के तहत लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रभारी लोक शिकायत प्रकोष्ठ निरीक्षक अवधेश कुमार ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें नियमित लेखन और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ते स्क्रीन टाइम के बीच बच्चों को कुछ समय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों से दूर कर कागज-कलम से जोड़ना, उनकी रचनात्मक सोच एवं लेखन क्षमता विकसित करना तथा विचारों, भावनाओं, अनुभवों और सपनों को पत्र लेखन के माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। निरीक्षक अवधेश कुमार ने बच्चों को बताया कि नियमित लेखन से सोचने-समझने की क्षमता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है। उन्होंने बच्चों को माता-पिता एवं परिवार के साथ समय बिताने, दादा-दादी और नाना-नानी से जुड़ने, अनुशासन एवं समय प्रबंधन अपनाने तथा भारतीय संस्कृति और जीवन-मूल्यों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया।

एससी एसटी के व्यक्तियों को स्वरोजगार हेतु चार माह का प्रशिक्षण, 05 सितम्बर तक करें ऑनलाइन आवेदन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, एटा अर्चना कुमारी ने बताया कि अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उनकी तकनीकी कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में चार माह की प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों को प्रथम बैच में टेलरिंग तथा द्वितीय बैच में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षणदायी संस्था द्वारा चार माह का सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त प्रशिक्षित व्यक्तियों को शासन द्वारा निर्धारित 5,000/- रू. मानदेय की धनराशि प्रदान की जाएगी, जिसमें जलपान एवं यात्रा भत्ता भी सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की धनराशि देय नहीं होगी। प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य तथा शैक्षिक योग्यता कम से कम कक्षा 8 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इच्छुक पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण हेतु अपना आवेदन आवश्यक अभिलेखों सहित वेबसाइट http://diupmsme.upsdc.gov.in पर 05 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन कर सकते हैं। योजनान्तर्गत दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

आवेदन के साथ जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक खाता पासबुक की छायाप्रतियां/अभिलेख वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। ऐसे अभ्यर्थी, जिन्होंने पूर्व में किसी सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी विभाग/संस्थान या उद्योग विभाग की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत

राजीव गांधी आधुनिक भारत के जनक थे : गवेंद्र सिंह एडवोकेट

हाथरस। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के तत्वावधान में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्मदिन सिविल कोर्ट अलीगढ़ में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और उनके जीवन एवं कार्यों को याद किया गया। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ठाकुर गवेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी सरल एवं आकर्षक व्यक्तित्व, साहस, धैर्य और दूरदर्शी सोच के धनी थे। उनकी दूरगामी सोच के कारण आज का आधुनिक भारत उनकी परिकल्पना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के जनक थे और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने जनहित में कई ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी सरकार ने मतदान की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने, नवोदय विद्यालयों की स्थापना, उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए मानव संसाधन मंत्रालय के गठन तथा ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी उन्होंने अनेक कार्य किए। देश के विकास और आधुनिकीकरण में उनके योगदान को जनता सदैव याद रखेगी।

सपा नेता ख्वाजा हसन जिब्रान में मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा एक सूत्रीय ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

जी.टी. रोड स्थित जसरथपुर ट्रामा सेंटर का उद्घाटन 05 जून 2017 को हुआ था. जिसका शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी द्वारा एक उच्चस्तरीय समिति की सोच और बेहद शानदार तथा नेक प्रयासों के तहत 15 दिसंबर 2015 में किया गया था।

मगर अफसोस हे कि सम्पूर्ण जनपद अलीगढ व्रासियों के भाग्य की विडम्बना देखिए कि उद्घाटन के 05 जून 2017 के बाद लगभग दस सालों से आज तक यह ट्रामा सेंटर अपनी दुर्दशा को लेकर अपनी वर्तमान स्थिति पर बदहाली के आँसू बहा रहा है।

उक्त ट्रामा सेंटर अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों तथा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई, सीटीस्कैनर, आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक लैब, ब्लड बैंक, जेनरेटर, इंवर्टर तथा पर्यात विशेषज सर्जन, फिजीशियन, नर्सिंग स्टाफ की नियुक्तियों सहित सभी अंतर्गत मूलभूत आवश्यकताओं से आज भी तरस रहा है।

इस ज्ञापन के माध्यम से मांग और अपेक्षा की जाती है कि ट्रामा सेंटर की कायापलट करने तथा पूर्णरूपेण मूलभूत प्रदान करने हेतु आवश्यक सरकारी बजट से लेकर प्रशासन सम्बन्धी सारी विधा बाधाओं का निवारण करते हुए अतिशीघ्र एवं अत्यंत प्रभावशाली कदम उठाए जाएँ ताकि जीटी रोड सहित आसपास के अन्य मार्गों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नित्य प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं एवं गंभीर बीमारियों के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए उक्त ट्रामा सेंटर का संचालन आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करते हुए सुचारू कराने का कष्ट करें।

ख्वाजा हसन जिब्रान ने कहा कि यह ट्रामा सेंटर हमारे जनपद की जनता के लिए जीवनरेखा है। पिछले कई बर्षों से यह अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है।

मैं उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता हूँ कि जसरथपुर ट्रामा सेंटर को शीघ्र पूर्ण सुविधाओं के साथ संचालित किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी और जनपद की जनता मिलकर अपने जनपद के व्यापक जनहित में पूर्ण लोकतांत्रिक ढंग से अनिश्चितकालीन धरना देकर हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी के बैनर तले अनशन करने के लिए बाध्य होंगे।

इस दौरान अब्दुल हमीद घोसी महानगर अध्यक्ष, मनोज यादव जिला महासचिव,अश्वनी शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष, शहजाद अल्वी जिला अध्यक्ष अ स, ठा. गजेंद्र सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष, देवेंद्र प्रधान,जीनस खान अब्बासी पार्षद, उस्मान खान पार्षद, अकिल अल्वी पार्षद, चांद खान पूर्व पार्षद, अफजल हमीद पार्षद ,एम ए खान गांधी प्रदेश सचिव, फिरोज अहमद महानगर उपाध्यक्ष , आमिर आबिद ईलू महानगर अध्यक्ष,राहत अली , महेश सागर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नीतू शर्मा प्रदेश सचिव ,शकुंतला सिंह , पूनम पॉल,डॉ गुलिस्तान, आरती सिंह महानगर अध्यक्ष महिला, यामीन खा मेव,ताहिर खा,बाबू सिंह धनगर, मुजम्मिल कादरी, मुकेश सूर्यवंशी प्रदेश अध्यक्ष खटीक समाज,छोटे लाल लोधी, नसीम हैदर, शाहिद सैफी, शाकिर खा चन्दौस, नाजनीन सईद,सीमा यादव, परवेज अहमद,शमसुल अहमद, ललित जाटव, मुन्ना खा, सलीम राजा चमन मालिक, डॉ शरीफ हसनी अली , ताहिर अली मेव, आदि लोग मौजूद रहे।

आइस चिलर प्लांट में करंट लगने से ऑपरेटर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अलीगंज। थाना नयागांव क्षेत्र के ग्राम उभई असदनगर स्थित मां वैष्णो आइस चिलर प्लांट में बीती रात करंट लगने से 40 वर्षीय ऑपरेटर सुधीर कुमार पुत्र नेपाल सिंह की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। परिजन व प्लांट संचालक आनन-फानन में सुधीर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्लांट मालिक अजीत प्रताप सिंह उर्फ कमले ने बताया कि रात करीब एक बजे उन्हें सूचना मिली कि ऑपरेटर सुधीर कुमार को अचानक करंट लग गया है। सूचना मिलते ही वह तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल सुधीर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुधीर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के छह बेटियां और एक बेटा है। पिता की मौत से बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर नयागांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एटा भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रॉबिन्सन-टंग के आगे पाकिस्तानियों का सरेंडर

तीन दिन में इंग्लैंड ने पारी और 103 रन से दर्ज की जीत

एजेंसी, हेडिंग्ले।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी की पोल हेडिंग्ले में एक बार फिर खुल गई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने ऐसा सरेंडर किया कि पहला टेस्ट तीन दिन में ही खत्म हो गया। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में सिर्फ 135 रन पर समेटकर पारी और 103 रन से करारी शिकस्त दी और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ओली रॉबिन्सन, जोश टंग और जोफ्रा आर्चर की पेस तिकड़ी के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी दोनों पारियों में पूरी तरह बेबस नजर आई।

पाकिस्तान का शर्मनाक प्रदर्शन

पहली पारी में पाकिस्तान महज 171 रन पर ढेर हुआ था। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 409 रन का मजबूत स्कोर खड़ा कर 238 रन की विशाल बढ़त हासिल की। तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी 409 रन पर खत्म होने के बाद पाकिस्तान को कम से कम मैच को चौथे दिन तक ले जाने के लिए जुझारू बल्लेबाजी की जरूरत थी, लेकिन उसके बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया।

पाकिस्तान की दूसरी पारी की शुरूआत ही बुरे सपने जैसी रही। जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से इमाम-उल-हक को पवेलियन भेजा, जबकि अजान अवैस 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ओली रॉबिन्सन ने अब्दुल्ला शफीक की 15 रन की पारी का अंत किया। शान मसूद ने 29 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध दिखाने की कोशिश की, लेकिन जोश टंग के आने के बाद पाकिस्तान का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया।

टंग ने सऊद शकील को 14 रन पर आउट किया और इसके बाद शान मसूद तथा सलमान आगा को एक ही ओवर में चलता कर पाकिस्तान को 76 रन पर छह विकेट के संकट में डाल दिया। टंग ने महज 11 गेंदों में तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की पकड़ बेहद मजबूत कर दी।

विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 39 गेंदों में 41 रन बनाकर कुछ देर तक संघर्ष किया। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन वह भी टीम को हार से नहीं बचा सके। गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी खत्म की, जबकि जोफ्रा आर्चर ने आखिरी बल्लेबाज को आउट कर पाकिस्तान की पारी पर पर्दा डाल दिया। पूरी टीम 37.3 ओवर में 135 रन पर सिमट गई।

रॉबिन्सन का पंजा, टंग ने भी बरपाया कहर

इंग्लैंड की जीत के सबसे बड़े नायक ओली रॉबिन्सन रहे। उन्होंने पहली पारी में 5/51 और दूसरी पारी में तीन विकेट समेत मैच में कुल आठ विकेट झटके। 8/80 के मैच आंकड़े के साथ उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।
जोश टंग ने भी पूरे मैच में आठ विकेट लेकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। पहली पारी में 5/46 लेने के बाद उन्होंने दूसरी पारी में तीन और विकेट अपने नाम किए। दूसरी पारी में जोफ्रा आर्चर ने भी तीन विकेट लिए। इंग्लैंड के चारों तेज गेंदबाजों ने लगातार फुल लेंथ पर गेंदबाजी कर पाकिस्तानी बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई मौका नहीं दिया।
रॉबिन्सन के लिए यह प्रदर्शन खास रहा। जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7/77 लेने के बाद वह फिटनेस पर काम कर रहे थे। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह अगले टेस्ट से पहले ज्यादा से ज्यादा आराम करने की कोशिश करेंगे।

पहली पारी में भी पाकिस्तानी बल्लेबाजों की खुली पोल

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरा पाकिस्तान पहली पारी में भी सिर्फ 171 रन बना सका था। अब्दुल्ला शफीक ने 61 और इमाम-उल-हक ने 42 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज इंग्लैंड के तेज आक्रमण के सामने टिक नहीं सके। रॉबिन्सन और टंग ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की पहली पारी को तहस-नहस कर दिया। दोनों ने मिलकर पाकिस्तान के सभी 10 विकेटों में से नौ पर सीधा असर डाला और इंग्लैंड को मैच पर शुरूआती पकड़ दिला दी।

ब्रूक-रूट समेत इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने जमाया रंग

पाकिस्तान के 171 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 409 रन बनाकर मैच की तस्वीर ही बदल दी। हैरी ब्रूक ने 93 गेंदों पर 91 रन की आक्रामक पारी खेली। जॉर्डन कॉक्स ने 73, कप्तान जो रूट ने 66 और डेन लॉरेंस ने 51 रन बनाए।
इंग्लैंड की पारी के दौरान पाकिस्तान के अली उस्मान ने 95 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि खुर्रम शहजाद ने तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, गेंदबाजों के इस प्रदर्शन का पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं मिला, क्योंकि बल्लेबाज दोनों पारियों में बुरी तरह फ्लॉप रहे। इंग्लैंड ने तीसरे दिन सुबह अपने स्कोर में 43 रन जोड़कर पहली पारी को 409 तक पहुंचाया। जोफ्रा आर्चर ने बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और इंग्लैंड की बढ़त को 200 के पार पहुंचाने में मदद की।

भारत ने क्युबा को वालीबाल विश्व कप में हराया

दोहा। यह बिल्कुल ताजा और बेहद गर्व की बात है कि भारतीय अंडर-17 राष्ट्रीय टीम में चयनित होकर अप्रतिम भदौरिया इस समय कतर (दोहा) में चल रहे ऐतिहासिक वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।यह टूनामेंट 19 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक दोहा, कतर में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम के 'आउटसाइड हिटर / रिसीविंग अटैकर' के रूप में खेल रहे अप्रतिम भदौरिया ने अपनी खेल विरासत का लोहा विश्व पटल पर मनवा दिया है।

ऐतिहासिक शुरुआत

भारत ने क्यूबा को दी करारी शिकस्त इस FIVB वर्ल्ड चैंपियनशिप के ग्रुप स्टेज (Pool B) के अपने पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम ने क्यूबा को 3-0 से हराकर एक ऐतिहासिक आगाज किया है।

मैच का स्कोरः 25-18, 26-24, 25-22

अप्रतिम का जलवाः इस शानदार जीत में अप्रतिम भदौरिया ने शानदार खेल दिखाते हुए अपनी टीम के लिए 12 महत्वपूर्ण अंक (Points) बटोरे, जिससे वह भारत के टॉप परफॉर्मर्स में शामिल रहे।

दूसरे टेस्ट से पहले शुभमन गिल कर रहे खास तैयारी

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अपनी एक कमजोर कड़ी पर खास ध्यान दिया है। गिल ने शुक्रवार को यहां सिंहली स्पोर्ट्स क्लब के नेट्स पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ लंबे समय तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से खेला जाएगा। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में गिल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। वह दोनों पारियों में बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। गिल ने पहली पारी में 16 जबकि दूसरी पारी में सिर्फ आठ रन बनाए थे। हालांकि, भारत ने यह मुकाबला 165 रन से जीतकर सीरीज में बढ़त बना ली थी।

बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ गिल का रिकॉर्ड चिंता बढ़ाने वाला

गिल को बाएं हाथ के पारंपरिक स्पिनरों के खिलाफ सही लाइन और लेंथ का अनुमान लगाने में परेशानी होती रही है। टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों के दौरान वह बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ 11 बार अपना विकेट गंवा चुके हैं। इसी कमजोरी को ध्यान में रखते हुए गिल ने शुक्रवार को नेट्स में बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ खासा समय बिताया। उन्होंने मानव सुथार, रवींद्र जडेजा और कुछ स्थानीय गेंदबाजों का सामना किया। इसके उलट ऑफ स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ गिल का रिकॉर्ड बेहतर है। इन दोनों तरह के स्पिनरों के खिलाफ उनका संयुक्त बल्लेबाजी औसत 61 का है, जबकि सभी प्रकार के स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर औसत 48 है।

कुलदीप यादव ने नहीं की गेंदबाजी

पहले टेस्ट में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी अभ्यास सत्र में टीम के साथ मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने नेट्स में न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी की। दूसरी ओर ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने ऋषभ पंत और शुभमन गिल को कुछ ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने पंत को दो मौकों पर परेशानी में भी डाला। हालांकि, दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव की जगह सारांश जैन को मौका मिलेगा या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। कुलदीप पहले टेस्ट में संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने 25 ओवर में 103 रन खर्च किए और सिर्फ एक विकेट हासिल किया। उनका एकमात्र विकेट शुभमन गिल के शानदार कैच की बदौलत आया था।

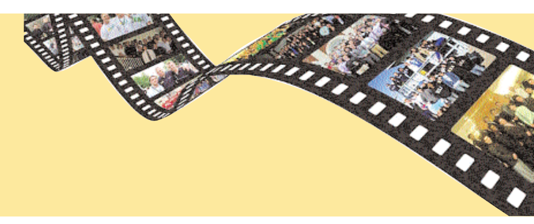

मनोरंजन

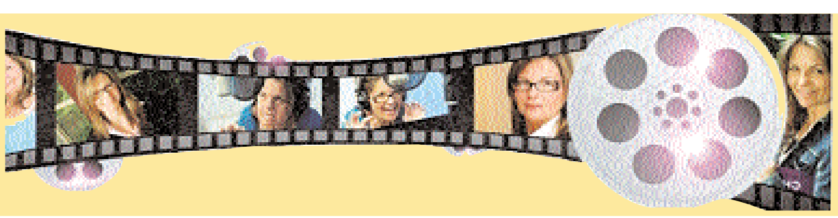

तारा सुतारिया ने 'तुम ही आना' जैम सेशन को फैंस की तरफ से मिल रहे प्यार पर जताया आभार

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने बुधवार को अपने हालिया जैम सेशन को फैंस की तरफ से मिल रहे ढेर सारे प्यार को लेकर आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह घर पर बैठकर 2019 की फिल्म 'मरजावां' का पॉपुलर गाना 'तुम ही आना' गाती नजर आ रही हैं।
वीडियो में अभिनेत्री काले कपड़े पहन, आंखें बंद कर-के सिंगिंग सेशन का मजा लेती दिखीं। अभिनेत्री ने फैंस की तरफ से मिल रहे प्यार को लेकर शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि अगर ऐसी वीडियोज और भी चाहिए, तारा

वीडियो को और प्यार दें। तारा सुतारिया ने लिखा, "कुछ घंटों पहले इस वीडियो को पोस्ट किया था और अब देखते ही देखते 50 लाख से ज्यादा व्यूज आ गए। अगर आपको मिडनाइट और भी जैम वीडियो चाहिए, तो इसे और भी शेयर करें।"

दरअसल, अभिनेत्री ने यह वीडियो मंगलवार देर रात को शेयर किया था, जिसे देखते ही देखते 50 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

फिल्म 'मरजावां' का गाना 'तुम ही आना' एक बेहद लोकप्रिय और भावुक रोमांटिक गीत है। इसे जुबिन नौटियाल ने अपनी जादुई आवाज दी है, संगीत पायल देव ने तैयार किया है और इसके बोल कुणाल वर्मा ने लिखे हैं। इस गाने में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतारिया के बीच का प्यार और बिछड़ने का दर्द दिखाया गया है।

यह गाना रिलीज होने के साथ ही चार्टबस्टर बन गया था और आज भी लोगों के पसंदीदा इमोशनल सॉन्ग में शुमार है। हिंदी रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म 'मरजावां' का निर्देशन और लेखन मिलाप झावेरी ने किया है। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, रितेश देशमुख, तारा सुतारिया और रकुल प्रीत सिंह ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

यह फिल्म रघु (सिद्धार्थ) की कहानी है, जो मुंबई के एक माफिया (अन्ना) के यहां पला-बढ़ा है और उसका सबसे वफादार गुंडा है। कहानी में मोड़ तब आता है जब रघु को जोया (तारा) से प्यार हो जाता है। रितेश देशमुख ने फिल्म में एक बौने खलनायक (विष्णु) की भूमिका निभाई है, जो रघु से जलता है।

25 साल के युवक बनेंगे आमिर खान; आशुतोष गोवारिकर की 'ललकारा' के लिए करेंगे ट्रांसफॉर्मेशन

आमिर खान को बॉलीवुड में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। वे जो भी किरदार अदा करते हैं, उसे पूरी शिद्दत से निभाते हैं और अपने व्यक्तित्व को उसके हिसाब से ढाल लेते हैं। 'गजनी', 'दंगल' और 'लाल सिंह चड्ढा' जैसी फिल्मों में अपने ट्रांसफॉर्मेशन से उन्होंने दर्शकों को दंग किया है। एक बार फिर वे कुछ ऐसा ही करने वाले हैं।

वजन घटाएंगे आमिर खान

आमिर खान अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। वे एक बार फिर आशुतोष गोवारिकर की फिल्म में काम करने वाले हैं, जो एक स्पोर्ट्स ड्रामा होगी। 'ललकारा' नाम की इस फिल्म के लिए आमिर खान बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। वे अपना वजन घटाएंगे और इसके लिए एक बड़े प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं।

असल उम्र से कम दिखेंगे आमिर खान

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की हद तक जाने के लिए आमिर खान मशहूर हैं। 'ललकारा' के लिए वे वजन घटाने के एक बड़े प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिजिकल बदलाव इस रोल के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि एक्टर अपनी असल उम्र से काफी कम उम्र के किरदार में नजर आएंगे।

25 साल के युवक बनेंगे आमिर खान

इस मामले से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, आशुतोष गोवारिकर की अगली फिल्म के लिए आमिर वजन घटाने के एक बड़े प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। स्पोर्ट्स ड्रामा कही जा रही 'ललकारा' में एक्टर 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। आमिर किसी रोल के लिए फिजिकली खुद को बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ते। इस बार भी, वे किरदार में असली लगने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं।

भाग्यश्री बोर्से के हाथ से फिसली आदित्य रॉय कपूर की फिल्म?

साउथ की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री बोर्से और बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, डायरेक्टर मिलाप जवेरी की आगामी फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट पर आधारित यह खबर पिछले दिनों खूब चर्चा में रही। लेकिन अब नया अपडेट इस बारे में सामने आया है। इस फिल्म को लेकर टी-सीरीज प्रोड्यूस कर रहा है।

मेकर्स ने अभिनेत्री भाग्यश्री बोर्से को लेकर क्या कहा?

टी-सीरीज के एक प्रवक्ता ने कहा, ''आदित्य रॉय कपूर के साथ टी-सीरीज और मिलाप जवेरी एक फिल्म बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत हैं। प्रोडक्शन हाउस जल्द ही अभिनेत्री के नाम का आधिकारिक घोषणा करेगा।''

क्या पहले भी हिंदी फिल्में कर चुकी हैं भाग्यश्री बोर्से?

भाग्यश्री बोर्से तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अभिनय करती हैं। वह बॉलीवुड में 'यारियां 2' और 'चंदू चैंपियन' में छोटे लेकिन अहम किरदार निभा चुकी हैं। वहीं फिल्म विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' का भी वह हिस्सा रही हैं। वह एक तमिल फिल्म 'सियोन' भी कर रही हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद अभिनय में आईं अभिनेत्री

भाग्यश्री बोर्से का जन्म भारत के महाराष्ट्र के औरंगाबाद (अब छत्रपति संभाजीनगर) में हुआ था। वह सात साल तक नाइजीरिया के लागोस में रहीं, वहां अपनी स्कूली शिक्षा का बड़ा हिस्सा पूरा किया। बाद में मॉडलिंग करते हुए उन्होंने मुंबई में बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। लेकिन बिजनेस मैनेजमेंट में करियर ना बनाकर, फिल्मों में कदम रखा।

भारतीय वॉलीबॉल का नया चेहरा कैप्टन अप्रतिम भदौरिया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश और भारत के युवा वॉलीबॉल सर्किट में अप्रतिम भदौरिया एक बेहद लोकप्रिय और आक्रामक खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। वह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ के छात्र हैं, जो उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों की सबसे बड़ी नर्सरी और 'खिलाड़ियों का असली घर' माना जाता है। अप्रतिम को मैदान पर उनके असाधारण नेतृत्व कौशल और आक्रामक खेल शैली के लिए जाना जाता है।

अप्रतिम भदौरिया का संबंध भारत के एक बेहद प्रतिष्ठित खेल परिवार से है, जहाँ खेल और देश सेवा की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। उनका पैतृक गाँव क्वारी , बाह, आगरा (उत्तर प्रदेश) है, जिसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की भूमि कहा जाता है।

खेल और पदकों से भरा पारिवारिक इतिहास

अप्रतिम भदौरिया का पूरा परिवार ही भारतीय वॉलीबॉल और एथलेटिक्स का एक मजबूत स्तंभ रहा हैः

ताऊः स्वर्गीय अजीत सिंह भदौरिया अर्जुन अवार्ड

गौरवशाली परिचयः अप्रतिम के ताऊ अजीत सिंह भदौरिया भारतीय वॉलीबॉल के इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक थे।

मुख्य उपलब्धियांः वह एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट रहे और भारतीय वॉलीबॉल में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें वर्ष 1996 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार (Arjun Award) से सम्मानित किया गया था।

प्रेरणा स्रोतः अप्रतिम स्वयं अपने ताऊ जी (स्व. अजीत भदौरिया) को अपना सबसे बड़ा आदर्श और प्रेरणा स्रोत मानते हैं।

बड़े ताऊः अजय सिंह भदौरिया रिटायर्ड डीएसपी

परिचयः अप्रतिम के एक और ताऊ अजय सिंह भदौरिया हैं, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में रिटायर्ड डीएसपी (ऊढ) हैं। उन्होंने भी खेल और प्रशासनिक स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

बाबा और दादाजी की विरासत

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचानः बाह (आगरा) के क्वारी गाँव का इतिहास रहा है कि अप्रतिम के बाबा और उनके परिवार के अन्य बुजुर्ग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट व खिलाड़ी रहे हैं। इस मिट्टी ने देश को कई बड़े ट्रैक और फील्ड स्टार दिए हैं।

विरासत को आगे बढ़ाते अप्रतिम

अपने दादा, ताऊ और परिवार के खेल इतिहास से प्रेरणा लेकर ही अप्रतिम ने लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला लिया। आज जब वह SGFI इंडिया के कप्तान के रूप में अंडर-17 और अंडर-18 स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, तो वह अपने परिवार के उसी 'अर्जुन अवार्ड' वाले गौरवशाली इतिहास को एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं।